रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

शुक्रवार
19 जून -2026
वर्ष 10, अंक 285
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

संक्षिप्त समाचार

अपमान बर्दाश्त नहीं हुआ तो पार्टियां तोड़ने लगे

शिवसेना यूबीटी में टूट पर जमकर भड़के जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों के पार्टी छोड़ने के बाद अब उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) के 6 सांसद बागी हो गए हैं। इन सियासी हलचलों के बीच कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। जयराम रमेश ने कहा कि घटनाक्रम को समझिए। 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में गृह मंत्री को अपमान का सामना करना

पड़ा था। तब संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका। उन्हें (मोदी सरकार) सदन में 2/3 बहुमत नहीं मिल पाया था। तमाम कोशिशों के बावजूद गृह मंत्री को 2/3 बहुमत नहीं मिला। इससे गृह मंत्री और प्रधानमंत्री बहुत नाराज हुए और अब वे अलग-अलग पार्टियों को तोड़ने में लगे हुए हैं। कांग्रेस के सीनियर नेता ने आगे कहा कि वह पूरे भरोसे के साथ कह सकते हैं कि उन्हें (एनडीए) 2/3 बहुमत नहीं मिलेगा। यह विपक्ष का मनोबल गिराने के लिए किया जा रहा है। यह संविधान और हमारे लोकतंत्र पर हमला है। सरदार पटेल के पद पर रहते हुए, मौजूदा गृह मंत्री ऐसी राजनीति कर रहे हैं। यह नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस नहीं, बल्कि नेशनल डिफेक्टर अलायंस है।

भारत-पाक बॉर्डर पर चाय की थड़ी से 'खेला'

सैन्य ठिकानों को लीक करने की थी साजिश, जासूस मुस्ताक पर बड़ा खुलासा

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के सीमावर्ती जिले जैसलमेर से गिरफ्तार संदिग्ध पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के एजेंट मुस्ताक अली को लेकर सुरक्षा और जांच एजेंसियों की पूछताछ में बेहद चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। सीआईडी इंटेलीजेंस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की जांच में यह साफ हो गया है कि भारत-पाकिस्तान सीमा के पास मुस्ताक अली की एक साधारण सी दिखने वाली चाय की थड़ी महज रोजी-रोटी का जरिया नहीं, बल्कि भारतीय सेना और बीएसएफ की जासूसी करने का एक सुनियोजित सीक्रेट सेंटर थी।

चाय की दुकान खोलने का मिला था स्पेशल टास्क
जांच एजेंसियों के अनुसार, पाकिस्तानी हैंडलर्स ने मुस्ताक अली को विशेष रूप से जैसलमेर के नाचना क्षेत्र में बॉर्डर की तरफ जाने वाली मुख्य सड़क पर चाय की दुकान खोलने का टास्क दिया था। यह वह मुख्य रास्ता है जहां से सेना और बीएसएफ के वाहनों और जवानों का लगातार मूवमेंट होता है। मुस्ताक को जिम्मेदारी दी गई थी कि वह चाय बेचने के बहाने सुरक्षा बलों की गतिविधियों, उनके काफिलों के समय और गाड़ियों की संख्या पर नजर रखे। चिंताजनक खुलासा यह भी हुआ है कि यदि समय रहते मुस्ताक को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तो पाक हैंडलर्स की योजना खतरा बन जाती।

अमेरिका-ईरान के बीच खत्म हो गई जंग

● तय तारीख से एक दिन पहले दोनों देशों में हो गया समझौता ● दोनों प्रेसीडेंट ने दस्तखत किए, ट्रम्प चिल्लाकर बोले-डील साइन

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने के लिए अंतरिम समझौते पर दस्तखत हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार रात को फ्रांस के वर्साय पैलेस में इससे जुड़े एमओयू पर साइन किए। इस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मौजूद थे। डील पर दस्तखत करने के बाद ट्रम्प वर्साय पैलेस से बाहर आए। इस दौरान किसी रिपोर्टर ने उनसे पीस डील को लेकर पूछा, तो उन्होंने चिल्लाते हुए कहा, 'डील साइन हो गई है।' ट्रम्प के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी ईरान से इलेक्ट्रॉनिक दस्तखत किए। समझौते का ऐलान भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 5.30 बजे किया गया। यह तत्काल प्रभाव से लागू हो गया। इस समझौते के तहत ईरान और लेबनान में मिलिट्री ऐक्शन खत्म किया जाएगा। होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोला जाएगा और अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी खत्म की जाएगी। इस समझौते पर 19 जून को स्विटजरलैंड में जेनेवा के पास लूसर्न शहर में साइन होने थे, लेकिन निर्धारित कार्यक्रम से एक दिन पहले ही इस पर दस्तखत कर दिए गए।

होर्मुज से बारूदी सुरंगें हटाने में मदद करेगा जर्मनी

जर्मनी ने होर्मुज स्ट्रेट में संभावित सैन्य मिशन की तैयारी के तहत दो जहाज लाल सागर की ओर भेजे हैं, जो बाद में होर्मुज में बारूदी सुरंगें हटाने के अभियान में मदद करेंगे। यह जानकारी जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने गुरुवार को दी। पिस्टोरियस ने कहा, इस समय हमारा एक माइनस्वीपर (सुरंग हटानेवाला जहाज) और एक सप्लाई जहाज स्वेज नहर पार कर लाल सागर की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी माइंस को हटाने के अभियान में शामिल होने के लिए ईरान और ओमान की मंजूरी जरूरी होगी। साथ ही यह मिशन अमेरिका और ईरान के बीच आगे होने वाली बातचीत के नतीजों पर भी निर्भर करेगा।

चेतावनी-ईरान ने शर्तें नहीं मानीं तो नाकेबंदी फिर से लगेगी

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि अगर ईरान अमेरिका के साथ हुए समझौते की शर्तों का पालन नहीं करता, तो अमेरिका फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू कर सकता है और उस पर कड़ी नौसैनिक नाकेबंदी दोबारा लगा सकता है। नाटो देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक के बाद हेगसेथ ने पत्रकारों से कहा, राष्ट्रपति पहले ही साफ कर चुके हैं कि बातचीत के दौरान अगर ईरान अपने वादे पूरे नहीं करता, तो हम दोबारा कार्रवाई शुरू करने के लिए तैयार रहेंगे। दुनिया में तेल की कीमत तय करने वाला ब्रेंट क्रूड पिछले तीन दिनों से 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बना हुआ है। गुरुवार को ब्रेंट क्रूड करीब 2 फीसदी गिरकर 78 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। जंग के दौरान इसकी कीमत 114.44 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। यानी अब यह उस स्तर से करीब 35 डॉलर सस्ता हो चुका है। अमेरिका का कच्चा तेल भी गिरकर करीब 74 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जो तीन महीने का सबसे निचला स्तर है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान समझौता ज्ञापन पर मध्यस्थ के तौर पर साइन किए है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में पाकिस्तान ने अहम मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। कतर के साथ मिलकर पाकिस्तान को शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में होने वाले आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह की मेजबानी भी करनी थी। हालांकि अब यह साफ नहीं है कि वह समारोह होगा या नहीं, क्योंकि एमओयू पर पहले ही साइन किए जा चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के पास कुछ बैलिस्टिक मिसाइलें होना गलत नहीं है। उन्होंने कहा असली चिंता मिसाइलें नहीं, बल्कि परमाणु हथियार हैं। ट्रम्प ने कहा, अगर सऊदी अरब, कतर और दूसरे देशों के पास ऐसी मिसाइलें हैं, तो ईरान के पास भी कुछ मिसाइलें रह सकती हैं।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से नव निर्वाचित राज्यसभा सांसद श्री बैद्यनाथ राम ने की मुलाकात

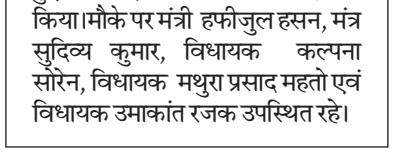

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड से नव निर्वाचित राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बैद्यनाथ राम को राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने पर अपनी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पूर्ण विश्वास जताया कि संसद के उच्च सदन

राज्यसभा में झारखंड की जन भावनाओं, जन अपेक्षाओं तथा जनहित एवं विकास से जुड़े मुद्दों को सशक्त रूप से रखने में श्री बैद्यनाथ राम अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर नव निर्वाचित राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया।मौके पर मंत्री हफीजुल हसन, मंत्र सुदिव्य कुमार, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक मथुरा प्रसाद महतो एवं विधायक उमाकांत रजक उपस्थित रहे।

झारखंड राज्यसभा चुनाव:

परिमल नाथवानी तीसरी बार विजयी, बैजनाथ राम भी निर्वाचित

दैनिक अलग पहचान, अन्नपूर्णा गुप्ता,मुख्य संपादक,नई दिल्ली/

झारखंड की दो राज्यसभा सीटों के लिए संपन्न चुनाव का परिणाम घोषित कर दिया गया है। भारतीय जनता पार्टी समर्थित स्वतंत्र प्रत्याशी परिमल नाथवानी तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी बैजनाथ राम विजयी घोषित किए गए हैं। स्वतंत्र प्रत्याशी प्रणव झा को पराजय का सामना करना पड़ा। मतगणना समाप्त होने के बाद दोनों विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में हर्ष का वातावरण देखा गया।राज्यसभा चुनाव को लेकर पिछले कई दिनों से राजनीतिक गलियारों में चर्चा चल रही थी। मतदान के दिन से ही सभी की नजर इस बात पर टिकी थी कि विधानसभा में मौजूद संख्याबल परिणाम को किस प्रकार प्रभावित करेगा। परिणाम आने के बाद वही स्थिति सामने आई, जिसकी पहले से संभावना जताई जा रही थी।परिमल नाथवानी ने तीसरी

बार राज्यसभा का मार्ग प्रशस्त किया भाजपा समर्थित स्वतंत्र प्रत्याशी परिमल नाथवानी पुनः राज्यसभा पहुंचने में सफल रहे। उन्हें कुल 30 मत प्राप्त हुए थे। मतगणना के दौरान उनके पक्ष में पड़े दो मत अवैध घोषित कर दिए गए, किंतु उनके पास 28 वैध मत शेष रहे, जो विजय के लिए पर्याप्त थे। नाथवानी की विजय को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चुनाव से पहले भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने उनके समर्थन में पूरी ताकत लगाई थी, जिसका असर परिणामों पर स्पष्ट दिखा।

बैजनाथ राम को मिला महागठबंधन का समर्थन -दूसरी ओर झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी बैजनाथ राम ने भी आसानी से विजय प्राप्त की। महागठबंधन के पास विधानसभा में पर्याप्त बहुमत होने के कारण उनकी स्थिति पहले से ही मजबूत मानी जा रही थी। मतदान और मतगणना के बाद यह स्पष्ट हो गया कि गठबंधन के विधायकों ने उनके पक्ष में एकजुटता दिखाई। बैजनाथ राम की विजय को झामुमो और महागठबंधन के लिए बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। दल के नेताओं ने इसे गठबंधन की एकता का परिणाम बताया।

प्रणव झा के प्रयास असफल रहे -स्वतंत्र प्रत्याशी प्रणव झा ने चुनाव में उतरकर प्रतिस्पर्धा को रोचक बनाने का प्रयास किया था। उन्होंने विभिन्न दलों और विधायकों से समर्थन जुटाने की कोशिश भी की, परंतु विधानसभा में पर्याप्त संख्याबल न होने का प्रभाव परिणाम पर साफ दिखा।

मंदिर में सीईओ की नियुक्ति हो सकती है

राम मंदिर में भी काशी के विश्वनाथ मंदिर की तरह की नियुक्ति हो सकती है। सीईओ कोई सीनियर आईपीएस होगा, जो कि राम मंदिर में व्यवस्था से जुड़े फैसले लेगा। इस पर ट्रस्ट और सरकार मंथन कर रही है। चढ़ावा चोरी मामले में अब तक 5 लोगों- लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर उर्फ टिन्नू के नाम सामने आए हैं। इन लोगों की निशानदेही पर अब तक 2 करोड़ रुपए की रिकवरी हुई है। ये सभी दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े हैं। सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने रविवार 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई। अखिलेश ने भी कहा था कि मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को मामला देखना चाहिए।

शानदार जीत के बाद नाथवानी बोले- झारखंड मेरी कर्मभूमि, यहां की सेवा...

दैनिक अलग पहचान, अन्नपूर्णा गुप्ता,मुख्य संपादक,नई दिल्ली/

रांची: झारखंड से राज्यसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद परिमल नाथवानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक पोस्ट साझा कर अपनी खुशी और आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्यसभा सदस्य के रूप में चौथी बार देश की सेवा करने का मौका मिलना उनके लिए बेहद गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि यह पल उनके लिए भावनाओं से भरा हुआ है, क्योंकि झारखंड से यह उनका तीसरा कार्यकाल होगा।

2008 में झारखंड से शुरू हुई थी संसदीय पारी-परिमल नाथवानी ने अपने संदेश में कहा कि उनकी संसदीय यात्रा की

शुरुआत वर्ष 2008 में झारखंड से हुई थी। उन्होंने कहा कि झारखंड की धरती ने उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में पहचान दिलाई और आज एक बार फिर इसी राज्य का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। उन्होंने झारखंड को अपनी कर्मभूमि बताते हुए कहा कि यहां लौटना उनके लिए गर्व के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है।

प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह का जताया आभार-नाथवानी ने अपनी जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने उन पर भरोसा जताया, जिसके लिए वे हमेशा आभारी रहेंगे। इसके अलावा उन्होंने भाजपा नेतृत्व और एनडीए के सभी सहयोगी दलों का भी आभार व्यक्त किया।

विधायकों के समर्थन को बताया अहम-अपने संदेश में उन्होंने झारखंड विधानसभा के सभी विधायकों का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान जिस तरह से विधायकों ने उनका समर्थन किया और उन पर विश्वास जताया, वह उनके लिए बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों के सहयोग से ही उन्हें यह जिम्मेदारी दोबारा निभाने का अवसर मिला है।

झारखंड के हितों के लिए लगातार काम करने का भरोसा-परिमल नाथवानी ने कहा कि वे पहले की तरह आगे भी झारखंड के विकास और यहां के लोगों के हितों के लिए पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को संसद में मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि झारखंड की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे।

सोशल मीडिया पर मिल रही बधाइयां-राज्यसभा चुनाव में जीत के बाद नाथवानी के इस संदेश को सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोगों ने साझा किया। समर्थकों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

जोहार झारखंड के साथ खत्म किया संदेश-अपने संदेश के अंत में परिमल नाथवानी ने 'जोहार झारखंड' लिखते हुए राज्य की जनता के प्रति अपना सम्मान और जुड़ाव व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि झारखंड की सेवा का अवसर मिलना उनके लिए हमेशा गर्व की बात रही है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

राँची में आरएसएस कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंकने वाला आरोपी अभिरक्षा से पलायन, मुठभेड़ में घायल

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची

राँची: राजधानी राँची के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंकने की सनसनीखेज घटना ने बृहस्पतिवार को नवीन मोड़ ले लिया। जिस आरोपी को पुलिस ने कठोर परिश्रम के उपरांत गिरफ्तार किया था, वही आरोपी पुलिस अभिरक्षा से पलायन कर गया। तत्पश्चात आरंभ हुई अनुगमन की कार्रवाई मांडर में पुलिस मुठभेड़ तक पहुँच गई। पुलिस का दावा है कि आरोपी ने एक जवान का शस्त्र छीनकर गोलीबारी आरंभ कर दी, जिसके प्रत्युत्तर में की गई कार्रवाई में उसे गोली लगी। आहत आरोपी को चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

मंगलवार रात्रि फेंका गया था पेट्रोल बम - प्रकरण का आरंभ मंगलवार देर रात्रि हुआ था।

निवारणपुर स्थित आरएसएस कार्यालय के बाहर उस समय अफरा-तफरी व्याप्त हो गई जब मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक वहाँ पहुँचे और परिसर की ओर प्रज्वलित पेट्रोल बम फेंक दिया। विस्फोट एवं अग्नि की लपटों के उपरांत दोनों आरोपी स्थान से पलायन कर गए। यद्यपि इस आक्रमण में किसी के आहत होने की सूचना नहीं मिली, परंतु संवेदनशील स्थल पर हुई इस घटना ने सुरक्षा संस्थाओं की चिंता बढ़ा दी। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुँचे तथा अन्वेषण आरंभ कर दिया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने गठित की विशेष अन्वेषण टीम -घटना की गंभीरता को देखते हुए राँची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने तत्काल नगर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष अन्वेषण टीम का गठन किया। टीम ने घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के दृश्य खँगालने आरंभ किए। अन्वेषण के समय पुलिस को कई महत्त्वपूर्ण संकेत प्राप्त हुए। दृश्य में दो संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। तत्पश्चात उनकी पहचान की गई एवं संभावित ठिकानों पर छापामारी आरंभ हुई।

राँची से पलायन की तैयारी में थे आरोपी - पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों आरोपी घटना को अंजाम देने के उपरांत राँची छोड़ने की तैयारी में थे। इसी समय पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के उपरांत दोनों से पूछताछ की जा रही थी तथा पुलिस आक्रमण के पीछे के कारणों एवं संभावित षड्यंत्रकर्ताओं तक पहुँचने का प्रयास कर रही थी।

तत्पश्चात अचानक अभिरक्षा से पलायन कर गया आरोपी -बृहस्पतिवार मध्याह्न प्रकरण ने तब अप्रत्याशित मोड़ ले लिया जब गिरफ्तार आरोपियों में से एक पुलिस अभिरक्षा से पलायन कर गया। आरोपी अंततः किस परिस्थिति में हाजत से निकलने में सफल हुआ, इसकी जाँच आरंभ कर दी गई है। आरोपी के पलायन की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हलचल व्याप्त हो गई। कई थानों की पुलिस को सतर्क किया गया एवं आरोपी की खोज के लिए विशेष टीमों को नियुक्त किया गया।

मांडर में घिरा, फिर पुलिस पर की गोलीबारी -पुलिस का कथन है कि पीछा करते हुए टीम मांडर क्षेत्र तक पहुँची। यहाँ आरोपी को घेरकर पकड़ने का प्रयास किया गया। इसी समय उसने कथित रूप से एक पुलिसकर्मी का शस्त्र छीन लिया एवं पुलिस दल पर गोलीबारी आरंभ कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से स्थान पर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस जवानों ने पहले आरोपी को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, परंतु जब उसने गोलीबारी जारी रखी तो प्रत्युत्तरात्मक कार्रवाई की गई।

प्रत्युत्तरात्मक कार्रवाई में लगी गोली - पुलिस की प्रत्युत्तरात्मक गोलीबारी में आरोपी आहत हो गया। गोली लगने के उपरांत उसे नियंत्रण में लिया गया एवं तत्काल चिकित्सालय पहुँचाया गया। वर्तमान में उसका उपचार चल रहा है तथा चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। पुलिस अधिकारियों का कथन है कि आरोपी के स्वस्थ होते ही उससे पुनः पूछताछ की जाएगी ताकि पेट्रोल बम आक्रमण के पीछे की संपूर्ण साजिश का उद्घाटन किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

हाइवा की चपेट में आने से एक की मौत:नई सराय चौक पर हुआ हादसा

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ थाना क्षेत्र के नई सराय चौक पर एक तेज रफ्तार हाइवा की चपेट में आने से 42 वर्षीय मोहम्मद रियाज उर्फ बाबू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर मुआवजे की मांग शुरू कर दी। मृतक मोहम्मद रियाज उर्फ बाबू नई सराय के निवासी थे और एक प्लांट में कार्यरत थे। वह किसी काम से नई सराय चौक आए थे, तभी हाइवा ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। रियाज के परिवार में उनकी मां और पिता का पहले ही निधन हो चुका था। नवंबर में उनकी बेटी की शादी तय थी, जिससे परिवार चिंतित है। मृतक के भतीजे मो। अरमान ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की। परिजनों और स्थानीय लोगों ने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने हाइवा में तोड़फोड़ कर उसका शीशा भी तोड़ दिया। घटना के बाद से सड़क के दोनों ओर जाम लगा गया।

रांची से कई उड़ानों में कटौती:1 जुलाई से इंडिगो की रांची-कोलकाता सेवा बंद

रांची, एजेंसी। रांची एयरपोर्ट से एक जुलाई से कई रूटों पर उड़ानों की संख्या घट जाएगी। इंडिगो की कोलकाता फ्लाइट, दोपहर दो बजे कोलकाता से रांची पहुंचती थी और 3:30 बजे वापस कोलकाता जाती थी, उसकी बुकिंग एक जुलाई से बंद हो गई है। वहीं, एयर इंडिया ने दिल्ली रूट पर अपनी एक उड़ान सेवा बंद कर दी है। शाम में संचालित होने वाली यह उड़ान भी एक जुलाई से नहीं चलेगी। इसके अलावा इंडिगो ने देवघर-दिल्ली रूट पर शाम की एक उड़ान सेवा भी बंद कर दी है। लगातार हो रही इन कटौतियों से यात्रियों के लिए उपलब्ध उड़ानों की संख्या कम हो जाएगी। इंडिगो के एक अधिकारी के अनुसार कंपनी के पास फिलहाल विमानों की उपलब्धता सीमित है, जबकि देशभर में हवाई यात्रा की मांग लगातार बढ़ रही है। वहीं कुछ रूटों पर यात्रियों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। ऐसे में उपलब्ध विमानों का उपयोग मांग के अनुसार किया जा रहा है। अधिक मांग वाले रूटों को प्राथमिकता देने की रणनीति के तहत कुछ मार्गों पर उड़ानों में कटौती की गई है।

रोंगो गांव में जंगली हाथी के हमले से व्यक्ति घायल, सीएचसी में चल रहा इलाज

पश्चिमी सिंहभूम, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम के मनोहरपुर थाना क्षेत्र के रोंगो गांव में मंगलवार की रात जंगली हाथी के हमले में गांव के नोमा चेरोवा(31) गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद बुधवार की सुबह उसे मनोहरपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज किया जा रहा है। घटना कल रात करीबन 9 बजे की बताई जा रही है। जब वह अपने घर से करीब 300 मीटर दूर अवस्थित एक तालाब के पास से घर लौट रहा था। इसी क्रम में कटहल के पेड़ों के नीचे जंगली हाथियों का झुंड भी मौजूद था। अंधेरा होने की वजह से वह हाथियों को देख नहीं पाया। पास पहुंचने पर एक हाथी ने उसे अपने सूंड़ से दूर धकेल दिया। जिसके बाद गिरने से वह गंभीर रूप से वह घायल हो गया। तब उसने किसी तरह से भागकर अपनी जान बचाई और घर आकर परिजनों को मामले की जानकारी दी। घटना के काफी देर बाद तक हाथियों का झुंड मौके पर ही मौजूद था। बताया जाता है कि हाथियों ने गांव में घरों को भी आंशिक रूप से नुकसान पहुंचाया है। इधर बुधवार की सुबह सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम गांव जाकर घायल नोमा को इलाज के लिए मनोहरपुर सीएचसी लेकर आए।

बांका के दो भाइयों मोहन-राकेश ने स्वरोजगार में बनायी ग्लोबल पहचान

बांका, एजेंसी। बांका जिले के चांदन प्रखंड के पिंड्रा गांव से निकलकर मोहन यादव व राकेश यादव ने स्वरोजगार में ग्लोबल पहचान बनायी है। दोनों भाइयों ने बिहार और झारखंड में 32 से अधिक ब्रांच स्थापित कर दिये और 2000 से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। वर्ष 2025 में हेयर कलरिंग के क्षेत्र में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर उन्होंने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी अपना नाम दर्ज कराया है। दोनों भाइयों का जीवन आसान नहीं रहा। बचपन में ही पिता पैरू उर्फ परमेश्वर यादव का निधन हो गया था, जिसके बाद परिवार की जिम्मेदारी बहुत कम उम्र में उनके कंधों पर आ गयी। आर्थिक तंगी के कारण मोहन मजदूरी करने कोलकाता चले गये, जबकि राकेश अपने ननिहाल में पशुपालन और अन्य काम करने लगे। शिक्षा से दूर रहने के बावजूद दोनों ने हार नहीं मानी और जीवन को एक नयी दिशा देने का निर्णय लिया। करीब पांच वर्षों तक अलग-अलग जगहों पर काम करके दोनों भाइयों ने प्रसाधन का हुनर सीखा। अनुभव हासिल करने के बाद वर्ष 2013 में धनबाद से स्वरोजगार की शुरुआत की। यहीं से सफलता का सफर शुरू हुआ, जो आज कई राज्यों तक फैल चुका है। आज स्थिति यह है कि दोनों भाइयों का यह स्वरोजगार की शाखा बिहार व झारखंड के कई शहरों तक फैल चुकाीहै। प्रत्येक ब्रांच में भारी निवेश के साथ आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। इस नेटवर्क के जरिए 2000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है, जबकि 1000 से ज्यादा युवाओं को ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाया गया है।

संघ कार्यालय पर हमला मामला

आतंकी साजिश की तरफ बढ़ी जांच

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के निवारणपुर स्थित संघ कार्यालय पर हुए हमले में शामिल दोनों हमलावरों सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दो आरोपी रांची से ट्रेन के जरिए दिल्ली की तरफ फरार होने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस को जब इसकी जानकारी मिली, तब उन्होंने रांची से लेकर कोडरमा तक दिल्ली जाने वाली ट्रेनों की हर बोगी को खंगाल दिया।

रांची पुलिस की टीम को सफलता कोडरमा में हाथ लगी, जहां से दोनों आरोपी धर दबोचे गए। पूरे मामले में रांची पुलिस के द्वारा गुरुवार की शाम तक विस्तृत जानकारी दी जाएगी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की गिरफ्तारी से एक बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है, जिसके बाद इसमें एनआईए की भी एंट्री हो सकती है।

साजिश की आशंका : संघ के रांची कार्यालय पर हमले की साजिश क्यों रची गई, इसका खुलासा अब पुलिस के द्वारा किया जाएगा। गिरफ्तार आरोपियों से रांची पुलिस की टीम पूछताछ कर रही है। इस मामले की जांच के लिए घटना के बाद एनआईए का आना एक महज संयोग नही था। वहीं सवाल यह भी है कि रांची में बैठ कर संघ कार्यालय पर हमले की साजिश रची गई, लेकिन न एटीएस को इसकी हवा लगी और न ही लोकल पुलिस को।

हमलावरों पर आतंकी धाराओं में दर्ज हुआ है केस : आरएसएस के प्रांत कार्यालय प्रमुख नरसिंह कुमार की ओर से रांची के चुटिया थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी में हमलावरों पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की कई धाराओं के साथ-साथ विस्फोटक पदार्थ

अधिनियम 1908 और गैरकानूनी गतिविधि निवारण अधिनियम 1967 की कई धाराएं लगायी गई है। आवेदन के आधार पर यूएपीए की धारा 16 और 18 का शामिल होना मामले को आतंकी साजिश के दायरे में ले जाता है।

वीडियो बनाया गया था हमले का, सीसीटीवी से ही पकड़े गए : सीसीटीवी फुटेज में यह दिख रहा है कि हमलावरों ने पेट्रोल बम फेकने का पूरा वीडियो बनाया, फिर घटना को अंजाम देकर दौड़ते हुए भागे। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि लाल ट्रैक पैंट व जींस पहने दो लड़के आरएसएस कार्यालय से दस फीट की दूरी पर पैदल आकर रुकते हैं। एक हाथ में प्लास्टिक की थैली थी तो दूसरे हाथ में शीशे की बोतल लिए हुए था। बोतल में पेट्रोल साफ दिखाई दे रहा है। पहली बार में दोनों हमलावर एक बोतल में आग लगाकर आरएसएस कार्यालय में फेकते हैं ,लेकिन वह विस्फोट नहीं होता है। इसके कुछ देर बाद दोनों युवक फिर उसी जगह पहुंचते हैं।

लाइटर पॉकेट से निकालकर लाल ट्रैक पैंट पहना युवक बोतल में लगे पलीते में आग लगाकर संघ कार्यालय में फेकते हुए दिखता है। इस बीच हमलावर का साथी बम में आग लगाने और फेंकने का पूरा वीडियो बना रहा था। इस घटना को अंजाम देकर दोनों दौड़कर भागते हुए दिखे हैं। जिस वक्त दोनों हमलावर घटना को अंजाम दे रहे थे, उस वक्त मौके पर कोई भी मौजूद नहीं था। वीडियो बनाने की प्रणाली को देखकर ही एनआईए की टीम को मौके पर बुलाया गया था क्योंकि यह तरीका आतंकी गतिविधियों में शामिल लोगों का होता है।

हमले के वक्त कार्यालय में थे 20 लोग : राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की ओर से चुटिया थाना में दिए गए आवेदन में कहा गया है कि 16 जून की रात 12।36 बजे उनके निवारणपुर स्थित कार्यालय में पेट्रोल बम से हमला किया गया। सीसीटीवी कैमरा में यह दिख रहा है कि दो अज्ञात व्यक्तियों ने घटना को अंजाम दिया है। दोनों व्यक्तियों का चेहरा ढका हुआ नहीं था। पेट्रोल बम फेंकते हुए दिखाई दे रहा है। दोनों ने कार्यालय में दो बार हमला किया। आवेदन में कहा गया है कि संघ कार्यालय में घटना के वक्त 20 लोग थे। बम अगर अंदर गिरता तो कई लोगों की जान जा सकती थी। संघ की संपत्ति भी जलकर राख हो सकती थी। संघ कार्यालय को उड़ाने की हमलावरों की योजना थी।

आरएसएस कार्यालय को उड़ाने की थी साजिश : बताया जा रहा है कि हमलावरों ने आरएसएस कार्यालय को उड़ाने की साजिश रची थी, लेकिन हमलावर अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो सके। बम निरोधक दस्ते की टीम ने जांच के दौरान पाया कि जिस तरह से बोतल में पेट्रोल की मात्रा दी गई थी, उससे यह लग रहा है कि कार्यालय को आग के हवाले किया जाना था। सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद बम निरोधक दस्ते ने जांच में यह भी पाया कि हमलावरों ने पूरी योजना के साथ घटना को अंजाम दिया है।

धनबाद में मातृ वंदना योजना में लापरवाही पर डीडीसी का फटकार

धनबाद, एजेंसी। जिले में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की समीक्षा बैठक में लंबित मामलों और कार्यों में सुस्ती को लेकर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सन्नी राज को बैठक के दौरान कई प्रखंडों में अपेक्षित प्रगति नहीं मिले। जिससे संबंधित महिला पर्यवेक्षिकाओं को फटकार लगाए। साथ ही कार्यशैली में सुधार और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

समाहरणालय सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत लंबित आवेदनों, एनपीसीआई अपडेट, पोषण ट्रैकर और अन्य बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान यह सामने आया कि कुछ स्थानों पर आवेदन निष्पादन और तकनीकी प्रक्रियाओं में अनावश्यक विलंब हो रहा है। जिससे लाभुकों को समय पर योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

इस पर उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित महिला पर्यवेक्षिकाओं को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकारी योजनाओं के क्रियांवयन में किसी भी स्तर की लापरवाही या ढिलाई

बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी लंबित मामलों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन करने, एनपीसीआई संबंधी त्रुटियों का शीघ्र समाधान करने और लाभुकों को बिना किसी बाधा के योजना का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। डीडीसी ने महिला पर्यवेक्षिकाओं से कार्यशैली में सुधार लाने, नियमित मॉनिटरिंग करने और फील्ड स्तर पर जवाबदेही बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं के प्रभावी संचालन के लिए समयबद्ध कार्य निष्पादन आवश्यक है और भविष्य में भी प्रगति की लगातार समीक्षा की जाएगी। अगर किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों और कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप और जिले के सभी प्रखंडों की महिला पर्यवेक्षिकाएं उपस्थित थी।

रिटायरमेंट के बाद 'मास्टर साहब' बने किसान

खाली बैठना नहीं आया रास, चतरा में 7 एकड़ बंजर जमीन पर उगा रहे केला, ड्रैगन फ्रूट

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के सुदूरवर्ती प्रतापपुर प्रखंड के बिरमातकुम गांव से एक ऐसी प्रेरक कहानी सामने आई है, जो हर किसी को सोचने पर मजबूर कर देती है। 65 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक विजय राम चंद्रवंशी ने रिटायरमेंट के बाद आराम करने के बजाय खेतों में पसीना बहाने का रास्ता चुना। साल 2019 में नौकरी से मुक्त होने के बाद उन्होंने तय किया कि वे खुद को निष्क्रिय नहीं होने देंगे। इसी सोच ने उन्हें खेती की ओर मोड़ा और आज वे 'खेती की पाठशाला' चला रहे हैं। उनका मानना है कि जीवन के हर पड़ाव पर कुछ नया सीखना और करना ही असली सफलता है।

विजय राम ने बिना समय गंवाए 7 एकड़ बंजर और झाड़ियों से भरी जमीन को सालाना 2।5 लाख रुपए पर लीज पर लिया। शुरुआत में यह जमीन पूरी तरह अनुपजाऊ थी, लेकिन उन्होंने इसे चुनौती के रूप में लिया।

दिन-रात की मेहनत, सही योजना और लगन से उन्होंने इस जमीन को एक हरे-भरे बागान में बदल दिया। आज यहां केले, ड्रैगन फ्रूट, कटहल, सहजन जैसे कई फलों और सब्जियों की भरपूर खेती हो रही है। उनकी यह मेहनत अब आसपास के लोगों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन चुकी है।

खेती की कोई औपचारिक ट्रेनिंग न होने के बावजूद विजय राम ने हार नहीं मानी। उन्होंने यूट्यूब और व्हाट्सएप के जरिए कृषि विशेषज्ञों

से जानकारी हासिल की और एक प्रशिक्षित सहयोगी के साथ मिलकर मिक्स फार्मिंग का मॉडल तैयार किया।

पश्चिम बंगाल से पौधे मंगवाए और वैज्ञानिक तरीके से रोपण किया। आज उनके खेत में 1000 से अधिक केले के पौधे, 3000 ड्रैगन फ्रूट, 1500 ओल (जिमीकंद) और 400 कटहल के पेड़ लहलहा रहे हैं। इसके अलावा सहजन, हल्दी, अदरक और परवल की भी खेती हो रही है।

इस खेती की सबसे खास बात यह है कि यहां पूरी तरह जैविक तरीके अपनाए जाते हैं। विजय राम खुद गोबर, जीवामृत और वर्मी कंपोस्ट से खाद तैयार करते हैं। रासायनिक उर्वरकों से पूरी तरह दूरी बनाए रखी गई है। सिंचाई के लिए उन्होंने सोलर पैनल का इस्तेमाल किया है, जिससे लागत कम होती है। पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है। महज एक साल में कई फसलों में फल आने लगे हैं। उन्हें सालाना लाखों की कमाई की उम्मीद है। इस पहल से 8 से 10 स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिला है।

दिलचस्प बात यह है कि विजय राम के चारों बेटे सरकारी सेवा में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। कोई इंजीनियर है, कोई पुलिस में, कोई शिक्षक तो कोई कंप्यूटर इंजीनियर। बावजूद इसके, वे छुट्टियों में गांव आकर पिता के इस काम में हाथ बंटाते हैं।

विजय राम का यह मॉडल अब पूरे चतरा जिले के लिए मिसाल बन गया है। उनकी 'दूसरी पाठशाला' युवाओं को यह संदेश दे रही है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो बंजर जमीन से भी सोना उगाया जा सकता है और गांव में रहकर भी आत्मनिर्भर बना जा सकता है।

झारखंड में यूरिया-डीएपी का पर्याप्त भंडार ! खेती की तैयारी में जुटे किसानों की नहीं होगी उर्वरक की कमी

रांची, एजेंसी। मानसून के झारखंड में आगमन के साथ ही इस वर्ष खरीफ सीजन की शुरुआत हो गई है। राज्य में कृषि विभाग की ओर से 15 जून को हुई समीक्षा बैठक की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में यूरिया और डीएपी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और विभाग इस कोशिश में है कि 2026 के दौरान राज्य के किसानों को उर्वरक की कमी का सामना नहीं करना पड़े।

राज्य कृषि विभाग की 15 जून 2026 तक की समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार झारखंड में यूरिया और डीएपी दोनों उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। राज्य में यूरिया का कुल क्लोजिंग स्टॉक 1,22,049।90 मीट्रिक टन और डीएपी का कुल क्लोजिंग स्टॉक 21,136।14 मीट्रिक टन है।

रिपोर्ट के अनुसार धान रोपनी और अन्य खरीफ फसलों की बुवाई को देखते हुए अगले महीने के लिए 40 हजार मीट्रिक टन यूरिया और 10

हजार मीट्रिक टन डीएपी की आवश्यकता आंकी गई है। ऐसे में जुलाई महीने में यूरिया और डीएपी की पर्याप्त मात्रा राज्य में है।

यूरिया उपलब्धता के मामले में देवघर, हजारीबाग, पलामू, धनबाद और रांची की स्थिति बहुत अच्छी है। वहीं डीएपी के मामले में देवघर, हजारीबाग, गिरिडीह और साहिबगंज बेहतर स्थिति में हैं। कृषि निदेशक ने सभी जिलों के उपायुक्त और जिला कृषि पदाधिकारियों को पत्र लिख कर यूरिया की कालाबाजारी रोकने के लिए उड़नदस्ता बनाने और खाद वितरण पर सतत निगरानी रखने और किसानों को समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि इस वर्ष मानसून की सामान्य से कम बारिश के अनुमान के बीच भी कृषि विभाग पूरी कोशिश कर रहा है कि किसानों को कोई परेशानी न हो। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि पिछले वर्ष हमें जरूरत के अनुसार उर्वरक नहीं मिला था। इस वर्ष भी हमारी ओर से उर्वरक की डिमांड भेजी गई है।

कृषि व्यापार मेले में पहुंचीं कृषि मंत्री, बोलीं- किसान खेती को व्यापार के रूप में विकसित करने पर दें ध्यान

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के मोराबादी मैदान में 16 जून से 18 जून तक कृषि व्यापार मेला लगा है। कृषि,पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा झारखंड निर्माण के बाद पहली बार एक ऐसा मेला आयोजित किया जा रहा है, जहां किसानों को व्यवसायी की तरह सोचने और एक व्यवसायी की तरह अपने उत्पाद की वैल्यू एडिशन करने की जानकारी दी जा रही है।

मोरहाबादी मैदान में लगे कृषि व्यापार मेले में तकनीक आधारित खेती,अत्याधुनिक डेयरी स्थापित करने, हॉर्टिकल्चर, मत्स्यपालन से जुड़ी जानकारी दी जा रही है। कई स्टाल पर स्वयं सहायता समूह और एफपीओ द्वारा उत्पादित हनी, मोटे अनाज से बने बिस्किट के स्टाल लगाए गए हैं।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, कृषि निदेशक एवं अन्य कृषि पदाधिकारियों ने मेला परिसर का कृषि व्यापार मेले का भ्रमण किया। कृषि व्यापार मेले का भ्रमण करने के बाद के राजू ने कहा कि खेतीबाड़ी को व्यापार से जोड़ने के लिए इस तरह के कॉन्सेप्ट दूसरे राज्यों में उन्होंने नहीं देखे हैं। उन्होंने कहा कि मानव सभ्यता के विकास के समय से सबसे बड़े वैज्ञानिक अन्नदाता किसान ही रहे हैं, वह

सॉइल साइंटिस्ट भी हैं, मौसम वैज्ञानिक भी हैं, भूगर्भ शास्त्री भी हैं, जब उनके उत्पाद का व्यवसायीकरण होगा, तब किसान खुशहाल होंगे।

मेला का भ्रमण के बाद कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि नए भारत में सभी वस्तुओं के दाम बढ़ रहे हैं लेकिन किसानों के उत्पाद को मेहनत और लागत के हिसाब से कीमत नहीं मिल रही है। ऐसा इसलिये क्योंकि किसान अपने काम को व्यापार की तरह नहीं करते हैं। जरूरत है कि किसान, एक व्यापारी की तरह सोचे, कर्ज लें, खेती को बढ़ाए और लाभ कमाएं। उन्होंने कहा कि सरकार की सोच राज्य के अन्नदाता किसानों को खेतीबाड़ी की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने की है ताकि खेती भी लाभकारी बन सके। मेला देखने पहुंचे लोगों ने मेले को बेहद उपयोगी बताया है।

मानसून से निपटने के लिए रांची नगर निगम तैयार, 108 जलजमाव स्थलों की पहचान

रांची , एजेंसी। मानसून को देखते हुए रांची नगर निगम ने शहर में जलजमाव की समस्या से निपटने के लिए व्यापक तैयारी की है। निगम द्वारा किए गए सर्वेक्षण, फील्ड निरीक्षण और विश्लेषण के आधार पर शहर के 53 वार्डों में कुल 108 संभावित जलजमाव स्थलों की पहचान की गई है। इन स्थलों के लिए त्वरित कार्रवाई और दीर्घकालिक समाधान की अलग-अलग कार्ययोजना तैयार की गई है।

नगर निगम के सामने आया है कि शहर में जलजमाव के प्रमुख कारण नालियों की कमी, नालियों की अपर्याप्त क्षमता, गाद का जमाव, नालियों में कचरा और प्लास्टिक फेंका जाना, जल निकासी आउटलेट का अभाव और पाइप, पोल और अन्य अवरोधों के कारण जल प्रवाह प्रभावित होना है। निगम ने वार्ड संख्या 15, 18, 19, 22, 28, 32, 48 और 49 को अत्यधिक संवेदनशील श्रेणी में रखा है। इन वार्डों में जलजमाव की घटनाओं की संभावना अधिक होने के कारण विशेष निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था की गई है।

वार्ड 15 और 18 में छह-छह, वार्ड 22 और 19 में चार-चार, वार्ड 28 में तीन, वार्ड 32 में चार, वार्ड 48 में तीन और वार्ड 49 में पांच से अधिक संवेदनशील स्थलों की पहचान की गई है। जल निकासी व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए नगर निगम ने 11 आधुनिक डीसिल्टिंग पंप खरीदे हैं।

इसके साथ ही आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई के लिए 11 क्विक रिस्पॉन्स टीम का गठन किया गया है। इन टीमों के लिए आवश्यक मानव संसाधन का समंवय मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के माध्यम से किया गया है। प्रत्येक टीम को सुरक्षा किट, रिफ्लेक्टिव जैकेट, दस्ताने, बूट, संचार उपकरण और अन्य आवश्यक संसाधनों से लैस किया गया है।

क्विक रिस्पॉन्स टीमें जलजमाव की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर डीसिल्टिंग पंप से पानी की निकासी, नालियों और नालों की सफाई, जेसीबी से गाद हटाने, सुपर सकर मशीन के संचालन, कचरा और अन्य अवरोधों को हटाने, जरूरत पड़ने पर अस्थायी जल निकासी मार्ग बनाने तथा सड़कों पर गिरे पेड़ और टहनियों को हटाने का कार्य करेगी। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में यातायात को सामान्य करने की भी जिम्मेदारी निभाएगी।

इस अवसर पर रांची मेयर रोशनी खलखो और डिप्टी मेयर ने क्विक रिस्पॉन्स टीमों को सुरक्षा किट और आवश्यक उपकरण वितरित किए। मेयर ने कहा कि रांची नगर निगम इस वर्ष जल जमाव की समस्या से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। जलजमाव की सूचना मिलते ही संबंधित क्षेत्र की टीम मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई करेगी और नागरिकों को राहत पहुंचाने का हरसंभव प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान सड़कों पर गिरे पेड़, टहनियां और अन्य अवरोध हटाकर यातायात को सुचारु बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे नालियों में कचरा या प्लास्टिक न फेंकें तथा जलजमाव, पेड़ गिरने या अन्य आपात स्थिति की सूचना तत्काल निगम के टोल फ्री नंबर 1800-570-1235 या व्हाट्सएप नंबर 9431104429 पर दें। सूचना मिलते ही संबंधित क्षेत्र की क्विक रिस्पॉन्स टीम को मौके पर भेजा जाएगा। कार्यक्रम में पार्षदों के साथ अपर नगर आयुक्त संजय कुमार, उप नगर आयुक्त रविंद्र कुमार, उप नगर आयुक्त गौतम प्रसाद साहू समेत निगम के कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

पलामू के मेदिनीनगर नगर निगम में लंच के नाम पर गायब होने वाले कर्मियों की खैर नहीं, मेयर ने दिया अल्टीमेटम

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के मेदिनीनगर नगर निगम कार्यालय में अब अधिकारी और कर्मचारी अपनी मनमर्जी से न तो आ पाएंगे और न ही लंच के नाम पर घंटों गायब रह पाएंगे। निगम की मेयर अरुणा शंकर ने कार्यालय में पदस्थापित सभी अधिकारी और कर्मियों को हर हाल में समय पर दफ्तर आने का कड़ा निर्देश दिया है। मेयर ने साफ तौर पर कहा है कि निगम के कामकाज और कर्मचारियों के रवैये को लेकर आम जनता और पार्षदों द्वारा लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों में कहा गया था कि दफ्तर से ज्यादातर कर्मचारी गायब रहते हैं और दोपहर में लंच करने का कोई टाइम टेबल ही नहीं है, जिसके कारण दूर-दराज से आने वाले लोग दिनभर परेशान होते रहते हैं। मेयर अरुणा शंकर ने इस अव्यवस्था को दूर करने के लिए सहायक नगर आयुक्त को एक आधिकारिक पत्र लिखा है और इन सभी लापरवाहियों पर जवाब मांगा है। उन्होंने निर्देश दिया है कि अगले दो दिनों के भीतर सभी कर्मचारियों का टेबल नंबर अनिवार्य रूप से निर्धारित किया जाए। इसके साथ ही यह भी साफ-साफ लिखा होना चाहिए कि किस टेबल के कर्मचारी को कौन सा कार्य आवंटित किया गया है, ताकि निगम में अपना काम कराने पहुंचने वाले आम नागरिकों को भटकना न पड़े और उन्हें तुरंत सही जानकारी मिल सके।

सरायकेला-कांड्रा रोड पर तेज रफ्तार ट्रक ने दो बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत, तीन घायल

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला-कांड्रा सड़क पर गोपीडीह के पास एक ट्रक ने दो बाइक को ठोकर मार दिया जिससे बाइक में सवार एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान सरायकेला के रुगड़ी गांव निवासी सुधा रानी महतो उर्फ रीना महतो (25 वर्ष) के रूप में हुई है जबकि घटना में एक बच्ची सहित तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना बुधवार देर रात की है। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों बाइक सवार अपनी-अपनी मंजिल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आ रहे ट्रक ने दोनों बाइकों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद सरायकेला पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया और मुआवजे की मांग करने लगे साथ ही ग्रामीणों ने तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण लगाने, सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने मांग की। सड़क जाम के कारण कुछ समय तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा और वाहनों की लंबी कतार लग गई। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी विनय कुमार घटना स्थल पर पहुंच कर स्थिति को संभाला और ग्रामीणों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रित किया गया और सड़क जाम खत्म कराया गया। घटना के बाद पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है, वहीं घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार, घायलों में कुछ की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। प्रशासन ने मामले में जरूरी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

नीट पुनर्परीक्षा को लेकर देवघर में प्रशासन अलर्ट, उपायुक्त ने चार परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

देवघर, एजेंसी। देशभर में नीट-2026 पुनर्परीक्षा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। पेपर लीक मामले के सामने आने के बाद रद्द की गई परीक्षा का पुन: आयोजन 21 जून 2026 को किया जाएगा। इस परीक्षा का आयोजन देश के करीब 500 शहरों में किया जा रहा है। इसी क्रम में देवघर में भी चार परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां परीक्षार्थियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को लेकर जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। बुधवार को उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने जिले के एएस कॉलेज, देवघर कॉलेज, रामा देवी बाजला महिला कॉलेज और पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय स्थित परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र प्रभारियों को परीक्षा संचालन से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने साफ कहा कि परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने सभी केंद्रों पर पर्याप्त बेंच, पेयजल, शौचालय, बिजली एवं प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने के साथ-साथ दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए व्हीलचेयर की उपलब्धता सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया।गौरतलब है कि 3 मई को आयोजित नीट-2026 परीक्षा पेपर लीक मामले के कारण रद्द कर दी गई थी।

गोड्डा के पोड़ैयाहाट में मुखिया पर दिनदहाड़े फायरिंग, बाल-बाल बची जान, गुस्से में हजारों ग्रामीणों ने घेरा थाना

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा के पोड़ैयाहाट थाना क्षेत्र में गुरुवार को दिनदहाड़े गोलीबारी की घटना से दहशत फैल गई। दरअसल पोड़ैयाहाट पंचायत के मुखिया अनुपम भगत उर्फ लड्डू पर जानलेवा हमला किया गया है। मुख्य बाजार स्थित पंडित टोला कांबली बगीचा के पास दो राउंड फायरिंग हुई, जिसमें एक खोखा भी बरामद किया गया है। हालांकि, मुखिया बाल-बाल बच गए, लेकिन इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। हजारों की संख्या में ग्रामीणों ने पोड़ैयाहाट थाना का घेराव कर आरोपियों के एनकाउंटर की मांग की है। जानकारी के अनुसार मुखिया अनुपम भगत भारतीय स्टेट बैंक की शाखा से अपने घर लौट रहे थे। तभी पहले से घात लगाए दो बाइक पर सवार चार अपराधियों ने उन्हें निशाना बनाया। बाइक सवार अपराधियों ने नजदीक से मुखिया पर ताबड़तोड़ गोली चला दी। दो राउंड फायरिंग की आवाज से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि गोली मुखिया को नहीं लगी और वह उनके पास से गुजर गई। जिससे वे सुरक्षित बच निकले। घटना के बाद अपराधी बाइक से फरार हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने एक खोखा बरामद किया है। मुखिया अनुपम भगत ने बताया कि हमला करने वालों को उन्होंने पहचान लिया है। उन्होंने कहा कि गोली चलाने वालों में ग्राम द्रुपद निवासी नयन यादव, अंकित यादव और यादव टोला निवासी विकास यादव शामिल हैं। मुखिया ने कहा कि ये सभी एक सोची-समझी साजिश के तहत उन्हें मारने आए थे।

एनडीए विधायक दल की बैठक: सदस्यों ने कहा-

परिमल नथवानी की जीत निश्चित ही नहीं बल्कि पूरी तरह सुनिश्चित

रांची, एजेंसी। भाजपा प्रदेश कार्यालय में एनडीए विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हो गयी। इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने की। बैठक में आजसू प्रमुख सुदेश महतो और लोजपा आर के प्रदेश अध्यक्ष बीरेंद्र प्रधान भी शामिल हुए।

बैठक के बाद मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग करते हुए कहा कि राज्यसभा चुनाव को लेकर एनडीए विधायक दल की बैठक आयोजित की गई। एनडीए घटक दल के सभी विधायक पूरी तरह एकजुट हैं और अपने प्रत्याशी परिमल नाथवानी के साथ मजबूती से खड़े हैं।

उन्होंने कहा कि एनडीए समर्थित राज्यसभा उम्मीदवार परिमल नथवानी की जीत निश्चित ही नहीं बल्कि पूरी तरह सुनिश्चित है। उन्होंने बताया कि कई विधायक नए भी हैं इसलिए कैसे मतदान करना है, कितने बजे जाना है। इस पर भी आज की बैठक में विस्तार से चर्चा हुई।

नवीन जयसवाल ने कहा कि भाजपा के जो विधायक आज की बैठक में शामिल नहीं हो पाए थे, उन्होंने पार्टी को पूर्व में ही इसकी सूचना दे दी थी। वे सभी विधायक किसी अति आवश्यक कार्य से ही अनुपस्थित रहे हैं और इसकी जानकारी पार्टी को है। इसमें विपक्ष को ज्यादा खुशफहमी पालने की जरूरत नहीं है। नवीन जायसवाल ने कहा कि जिनके घर शीशे के होते हैं, चिंता उन्हें ही ज्यादा होती है, यही हाल विपक्ष का है।

कांग्रेस के नेता अपने प्रत्याशी की निश्चित हार को लेकर अभी से ही छटपटाहट और हताशा में हैं। एक सवाल जवाब में मुख्य सचेतक ने कहा कि परिमल नथवानी निर्दलीय प्रत्याशी हैं, सभी 81 विधायक उनके लिए वोटर हैं। सभी दल से वे संपर्क कर रहे हैं, उनके पूर्व में राज्यसभा सांसद के रूप में किये गए कार्यों पर सभी को भरोसा है। वह पहले भी दो बार सांसद रह चुके हैं। 18 तारीख को सभी विधायक अपने स्वविवेक से एवं अंतरात्मा की आवाज पर वोट करेंगे और परिमल नथवानी तीसरी बार विजय हासिल करेंगे।

एनडीए समर्थित प्रत्याशी की होगी जीत- सुदेश महतो

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि आज की बैठक में राज्यसभा चुनाव को लेकर ही विस्तार से चर्चा हुई। कई विधायकों की अनुपस्थिति पर सुदेश महतो ने कहा कि जो भी विधायक नहीं पहुंचे हैं उन्होंने इसकी जानकारी पहले दे दी थी। भाजपा के एक विधायक (प्रकाश राम) की तबीयत खराब है। सुदेश महतो ने कहा कि कल से मतदान होने तक एनडीए के सभी 24 विधायक एक साथ रहेंगे। वह कहां रहेंगे राज्य के रहेंगे या राज्य के बाहर कहीं जाएंगे, इस सवाल के जवाब में सुदेश महतो ने सिर्फ इतना कहा कि वह अपने राज्य में ही किसी जगह रहेंगे। वहीं लोजपा (रामविलास) के चतरा से विधायक जनार्दन पासवान ने परिमल नथवानी की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि जब वह पहले राज्यसभा सांसद थे तब राज्य के विकास के लिए खूब काम किया और आगे भी करेंगे। उन्होंने कहा कि हम अकेले नहीं बल्कि हम एनडीए के हैं और सभी एकजुट होकर मतदान करेंगे।

इस बैठक में आदित्य साहू के अलावा नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो, लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीरेन्द्र प्रधान, भाजपा विधायक सीपी सिंह, नवीन जयसवाल, नागेंद्र महतो, शशि भूषण मेहता, मनोज यादव, सत्येंद्र नाथ तिवारी, नीरा यादव, राज सिन्हा, अमित यादव, देवेंद्र कुंवर, रोशन लाल चौधरी, प्रदीप प्रसाद, डॉ। मंजू कुमारी एवं कुमार उज्जवल, लोजपा विधायक जनार्दन पासवान, आजसू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो के साथ साथ प्रत्याशी परिमल नथवानी भी उपस्थित रहे।

गिरिडीह में पूरनानगर में सब्जी दुकान और कार जली

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पूरनानगर गांव में बुधवार देर रात आगजनी की घटना हुई। इस घटना में एक सब्जी दुकान और पास खड़ी एक कार जलकर राख हो गई। ग्रामीणों ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एक आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। यह घटना देर रात करीब दो बजे हुई। अज्ञात व्यक्ति द्वारा लगाई गई आग से एक सब्जी दुकान पूरी तरह जल गई। वहीं, पास में खड़ी अर्जुन पंडित की कार भी आग की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक दुकान जल चुकी थी।

घटना के बाद गुरुवार को आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में गांव निवासी बाजो पंडित की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी बाजो पंडित को पकड़ लिया और बिजली के पोल से बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर मुफस्सिल थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों के कब्जे से आरोपी को छुड़ाया और हिरासत में लेकर थाने ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी बाजो पंडित की मानसिक स्थिति सामान्य नहीं है। उस पर पहले भी गांव के मंदिर की दान पेटी चोरी करने का आरोप लग चुका है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। इस आगजनी से पीड़ित परिवार को लाखों का आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित को उचित मुआवजा देने और मामले में निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने कहा है कि जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राज्यसभा चुनाव: सीएम आवास पर महागठबंधन की बनी रणनीति, मॉक पोल में जेएमएम प्रत्याशी की जीत पक्की

रांची, एजेंसी। झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी हलकों में गतिविधि तेज है। झारखंड में महागठबंधन के मुखिया मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की प्रतिष्ठा इस चुनाव में दोनों सीट को लेकर दांव पर है। यही वजह है कि महागठबंधन के अंदर बैठकों का दौर जारी है।

मुख्यमंत्री आवास पर मंगलवार देर शाम हुई। बैठक में राज्यसभा की दोनों सीटों को जीतने के लिए रणनीति बनती रही। यहां तक की उपस्थित विधायकों को 18 जून को होने वाले मतदान को लेकर प्रशिक्षण के साथ साथ मॉक पोल भी कराया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के उपस्थिति में हुई मॉक पोल में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी बैद्यनाथ राम को कुल 29 वोट मिले। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा को 27 मत मिले।

इस बैठक के बाद संसदीय कार्य सह वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने मीडियाकर्मियों को जानकारी देते हुए कहा कि जेएमएम प्रत्याशी को एक मत स्पीकर रबींद्र नाथ महतो का मिलेगा, संवैधानिक कारणों से वो बैठक में आज उपस्थित नहीं थे। इसी तरह कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा को एक मत माले विधायक अरूप चटर्जी का मिलेगा, जो आज की बैठक के दौरान किसी कारण से अनुपस्थित थे।

उन्होंने बैठक में उपस्थित नहीं रहने की सूचना पहले ही दिया था। माले के एक अन्य विधायक ने कांग्रेस प्रत्याशी को मॉक पोल के

दौरान मत दिया है। इस तरह से देखें तो कांग्रेस के प्रणव झा भी जादुई आंकड़े को पाने में सफल हो रहे हैं। इधर झामुमो नेता और राज्य सरकार के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि महागठबंधन के दोनों प्रत्याशी की जीत तय है। इसको लेकर सभी दल एकजुट है और भाजपा के मंसूबों पर पानी फेरने का काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री आवास पर हुई बैठक में महागठबंधन के झामुमो कांग्रेस राजद और माले के विधायक मौजूद रहे।

18 जून को होगा कड़ा मुकाबला, सभी कर रहे जीत का दावा

राज्यसभा की दो सीटों के लिए जेएमएम के बैद्यनाथ राम, कांग्रेस के प्रणव झा और निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नथवानी चुनाव मैदान में हैं। मतदान झारखंड विधानसभा में होगा। मतदान के बाद वोटों की गिनती उसी दिन यानी 18 जून को ही शाम 5 बजे से होगी और परिणाम उसी दिन घोषित हो जाएंगे।

इस चुनाव में झारखंड विधानसभा के सभी 81 विधायक मतदान करेंगे। आंकड़ों के लिहाज से राज्यसभा चुनाव में सत्तारूढ़ जेएमएम कांग्रेस राजद के पास 56 विधायकों का मत हैं। जिसमें जेएमएम के पास 34, कांग्रेस के पास 16 और राजद का 4 विधायक और भाकपा माले का 2 विधायक है।

मौजूदा आंकड़ों के अनुसार झारखंड मुक्ति मोर्चा के खाते में एक सीट सुरक्षित माना जा रहा है। वहीं दूसरी सीट के लिए दिलचस्प मुकाबला होने की संभावना है। विपक्षी खेमे में 24 विधायकों का समर्थन है। जिसमें भाजपा के 21 आजसू, लोजपा और जदयू का एक-एक विधायक शामिल हैं। विपक्ष खुलकर निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नथवानी का समर्थन कर रहा है।

पाकुड़ में तस्करों के खिलाफ पुलिस की छापेमारी, गांजा और ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

पाकुड़, एजेंसी। जिले के हिरणपुर थाना क्षेत्र में छापेमारी के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध गांजा और ब्राउन शुगर बरामद किया है। मौके से पुलिस ने कृष्णा कुमार साहा और सूरज कुमार दुबे को गिरफ्तार किया है। नशीले पदार्थ की बरामदगी व गिरफ्तारी की जानकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव ने दी।

छापेमारी का नेतृत्व कर रहे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव ने बताया कि छापेमारी घाघरजनी स्थित कृष्णा कुमार साहा के बंद पड़े घर में की गई। एसडीपीओ ने बताया कि छापेमारी के दौरान 1 किलो 600 ग्राम गांजा, 25 ग्राम ब्राउन शुगर, नापतौल की मशीन और एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया।

एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि घाघरजनी गांव के कृष्णा कुमार साहा के बंद पड़े घर में अवैध तरीके से

मादक पदार्थ ड्रग्स और गांजा की खरीद बिक्री हो रही है। मिली इसी सूचना के सत्यापन और कार्रवाई को लेकर बतौर दंडाधिकारी सीओ मनोज कुमार, थाना प्रभारी हिरणपुर विनय कुमार सहित एसआईटी में शामिल पुलिस अवर निरीक्षक जेना बालमुचु सहित जवानों के साथ छापेमारी की गयी और गांजा एवं ब्राउन शुगर बरामद किया गया।

एसडीपीओ ने बताया कि अवैध गांजा और ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार सूरज कुमार दुबे का अपराधिक इतिहास है और इसके खिलाफ पाकुड़िया में दो और हिरणपुर थाना में दो मामले दर्ज है। गिरफ्तार दोनों तस्करों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। एसडीपीओ कुमार गौरव ने कहा कि जिले में नशामुक्त अभियान चलाया जा रहा है। यहां के लोगों से अपील है कि वह नशीले पदार्थों की खरीद बिक्री करने वालों की पुलिस को सुचना दे। प्रशासन नाम व पता गुप्त रखेगा और सुचना देने वालों को पुरस्कृत किया जायेगा।

तालाब में गहरे पानी में जाने से युवक की गई जान, कुएं में गिरने से छात्रा ने तोड़ा दम

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा में बुधवार को दो अलग-अलग हादसों में युवक और एक नाबालिग छात्रा की मौत हो गई। युवक की तालाब में डूबने से जबकि छात्रा की कुएं में डूबने से जान चली गई। दोनों ही घटनाएं नवलशाही थाना क्षेत्र के रायडीह गांव और कोडरमा थाना क्षेत्र के फरेंदा गांव की है। पहली घटना में रायडीह गांव स्थित रानी तालाब में नहाने के दौरान 18 वर्षीय युवक शाहनवाज अंसारी की डूबने से मौत हो गई। वह डोमचांच थाना क्षेत्र के बगरीडीह गांव का निवासी था।

शाहनवाज बुधवार दोपहर अपने गांव से रायडीह स्थित तालाब के पास जामुन तोड़ने आया था। जामुन खाने के बाद वह तालाब में नहाने चला गया। नहाते समय वह तालाब के गहरे पानी में चला गया और डूब गया। कुछ तैराकों की मदद से उसे तालाब से बाहर निकाला गया।

ग्रामीणों ने शाहनवाज को तुरंत सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया। वहां मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन अस्पताल पहुंचे।

वहीं, दूसरी घटना कोडरमा थाना क्षेत्र के फरेंदा गांव की है, जहां घर से सटे जंगल की ओर गई एक

नाबालिग लड़की की कुएं में डूबने से मौत हो गौ है। मृतक बच्ची की पहचान राजेश सिंह की 12 वर्षीय पुत्री तितली कुमारी के रूप में की गई है।

मृतक बच्ची के पिता राजेश सिंह ने बताया कि बुधवार दोपहर वह अपने कुछ सहेलियों संग गांव से सटे जंगल की ओर महुआ के फूल खाने गई हुई थी। इसी दौरान वहां पर स्थित एक कुएं के पास अचानक से उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में गिर गई। गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई।

रेंगते हुए कटती है जगदीश की जिंदगी,

सरकार से लगा रहा ट्राई साइकिल की गुहार

गिरिडीह, एजेंसी। गांडेय जन्मजात विकलांगता से जूझ रहे दलित युवक की ट्राई साइकिल की आस भी सरकारी दफ्तरों की कागजी खानापूर्ति में फंस गई है। बेंगाबाद प्रखंड के फिटकोरिया पंचायत अंतर्गत अमजो गांव निवासी जगदीश दास बचपन से ही कमर के नीचे पूरी तरह लकवाग्रस्त हैं। घसीटते हुए एक जगह से दूसरी जगह पहुंचने वाले 45 वर्षीय जगदीश परिवार में अकेले और कुंवारे हैं। उनके पास न तो सहारा है और न ही कोई अन्य साधन। ऐसे में सरकार से सिर्फ एक ट्राई साइकिल ही उनकी एकमात्र उम्मीद बनी हुई थी।

रेंगते हुए पहुंचे प्रखंड कार्यालय, लौटे निराश : सोमवार को जगदीश भूमि पर रेंगते हुए बेंगाबाद प्रखंड कार्यालय पहुंचे। कल्याण विभाग के कार्यालय में अपनी समस्या बताई, लेकिन उन्हें विभागीय प्रक्रिया

का हवाला देकर बिना ट्राई साइकिल दिए वापस लौटा दिया गया। भारी मन से घर लौटना उनकी मजबूरी बन गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने जब उनकी बेबसी देखी तो समस्या जानने का प्रयास किया। जगदीश ने बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को संबोधित एक आवेदन पत्र लोगों को सौंपा।

आवेदन में जगदीश ने स्पष्ट किया कि वे जन्म से ही दोनों पैरों से विकलांग हैं और चलने-फिरने में पूरी तरह असमर्थ हैं। प्रखंड से उन्हें पेंशन और आवास की सुविधा तो मिल गई है, लेकिन घर से बाहर निकलने और आवश्यक कामों के लिए वे दूसरों पर निर्भर रहने को मजबूर हैं। इसलिए ट्राई साइकिल की मांग की गई है।

रेड क्रॉस सर्टिफिकेट नहीं चला, सदर अस्पताल का चाहिए : वार्ड सदस्य महेंद्र दास ने बताया कि जगदीश के पास रेड क्रॉस सोसायटी से जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र है, लेकिन सदर अस्पताल से जारी प्रमाण पत्र नहीं है। यही कमी ट्राई साइकिल देने में बाधक बन रही है।

विभाग की सफाई, प्रक्रिया से बंधे हैं हम : बाल विकास परियोजना के लेखापाल नीताक्षी ने कहा, 'आवेदक की स्थिति देखकर अफसोस होता है, लेकिन विभागीय नियमों के कारण बिना उचित दिव्यांगता प्रमाण पत्र के ट्राई साइकिल नहीं दी जा सकती। प्रमाण पत्र बनते ही उनकी मांग पूरी कर दी जाएगी।' उन्होंने जगदीश की तस्वीर और आवेदन पत्र सुरक्षित रख लिया है।

सिस्टम की सख्ती या लापरवाही : पूरी तरह विकलांग व्यक्ति को एक साधारण ट्राई साइकिल के लिए भी इतना इंतजार और दौड़-धूप करनी पड़ रही है। रेड क्रॉस का सर्टिफिकेट मान्य क्यों नहीं सवाल यह भी है कि इतने वर्षों से विकलांगता झेल रहे व्यक्ति को सही प्रमाण पत्र क्यों नहीं बन पाया यह मामला सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में छिपी कागजी औपचारिकताओं और संवेदनशून्यता को उजागर करता है। उम्मीद है कि इस खबर के प्रकाशन के बाद प्रशासन जगदीश दास जैसे असहाय दिव्यांगजनों की मदद में तेजी दिखाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में माता के प्राचीन मंदिर में बड़ी चोरी, चांदी का मुकुट, आंख समेत कीमती सामान ले उड़े चोर

मधुबनी, एजेंसी। अज्ञात चोरों ने एक बार फिर माता के मंदिर को निशाना बनाया है। घटना मधुबनी के प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां परमेश्वरी स्थान और काली मंदिर ठाढी गांव की है। मिली जानकारी के अनुसार 16 जून, 2026 मंगलवार की रात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर माता की चांदी का मुकुट, आंख समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर लिए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस घटना के बाद स्थानीय अंधराठाढ़ी थाना पुलिस पर सवाल खड़े कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में जांच-पड़ताल की है ।पुलिस ने संदेह के आधार पर तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मां परमेश्वरी का यह मंदिर काफी प्राचीन है और क्षेत्र का एक प्रमुख धार्मिक स्थल माना जाता है। आसपास के कई गांवों के लोगों की इस मंदिर में गहरी आस्था जुड़ी हुई है। ऐसे में मंदिर में हुई चोरी की घटना से श्रद्धालुओं में खासा नाराजगी देखा जा रही है। लोगों ने पुलिस की गश्ती पर भी सवाल उठाया है। साथ ही मामले का जल्द खुलासा नहीं होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी है। वहीं, झंझारपुर डीएसपी सुबोध कुमार सिन्हा दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि पुलिस के द्वारा मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। फिलहाल लोगों का गुस्सा शांत नहीं हो रहा है। लोगों में अंधराठाढ़ी थाना पुलिस के गश्ती और थाना अध्यक्ष के प्रति काफी आक्रोशित है। अब देखने वाली बात ये होगी कि पुलिस इस मंदिर की चोरी की घटना का उद्भेदन कर पाती है या नहीं।

पटना हाईकोर्ट पहुंचा 273 पदों पर बहाली मामला, विज्ञापन की शर्तों पर रोक

पटना , एजेंसी। पटना हाईकोर्ट ने अहम निर्णय लिया है। अदालत ने मिशन वात्सल्य योजना के तहत संचालित होने वाले देखरेख संस्थानों में संविदा पर नियुक्ति के लिए प्रकाशित विज्ञापन की शर्तों पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। पटना उच्च न्यायालय ने इस मामले में सरकार को चार सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दायर करते स्थिति स्पष्ट करने का आदेश दिया है। जस्टिस डॉ अंशुमान की एकलपीठ ने दीपक कुमार सिंह की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। आवेदक की ओर से अधिवक्ता प्रभाकर सिंह ने अदालत में पक्ष रखा। उन्होंने कोर्ट को बताया कि समाज कल्याण विभाग की ओर से 273 विभिन्न पदों पर बहाली के लिए एक विज्ञापन गत 29 अप्रैल को प्रकाशित किया गया। विज्ञापन में कई शर्ते रखी गई हैं। प्रभाकर सिंह ने कहा कि शर्त सात के अनुसार स्वयसेवी संस्था के माध्यम से चयनित होकर वर्तमान में जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा संचालित गृहों में कार्यरत कर्मियों को सरकार द्वारा नियोजित नहीं मानते हुए उनके पद को मान रिक्त पदों में शामिल किया गया है। उनका कहना था कि इस शर्त के अनुसार पूर्व से कार्यरत कर्मी को हटा दिया गया और उनकी जगह पर किसी अन्य को बहाल किया जायेगा। अधिवक्ता प्रभाकर सिंह ने कोर्ट को बताया कि बिहार राज्य बालक/बालिका सुरक्षा समिति द्वारा वृहद आश्रय में कार्यरत कर्मचारी, जिनकी नियुक्ति प्रारंभ में एनजीओ द्वारा संचालित बालक बालिका गृह में हुआ था। उन सभी का पद रिक्त मान बहाली के लिए विज्ञापन जारी किया गया। फिलहाल कोर्ट ने उनकी ओर से प्रस्तुत तथ्यों को स्वीकृत करते हुए सरकार से जबाब तलब किया।

बिहार पुलिस के एनकाउंटर में घायल भरत भूषण तिवारी की मौत

भोजपुर, एजेंसी। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में बुधवार की सुबह पुलिस और हथियारबंद युवक के बीच हुई मुठभेड़ में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। बाद में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने उसके पास से एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, एक मैगजीन और दो खोखा बरामद किया था। भोजपुर एसपी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बुधवार सुबह करीब नौ बजे पुलिस को सूचना मिली कि बिलौटी गांव निवासी काशीनाथ तिवारी का पुत्र भरत भूषण तिवारी हाथ में पिस्टल लेकर हवा में फायरिंग कर रहा है। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए शाहपुर पुलिस और भोजपुर एसटीएफ की टीम मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंची पुलिस के टीम ने युवक को लगातार आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन युवक नहीं माना और पुलिस पर रुक-रुक कर फायरिंग करता रहा। इससे पुलिसकर्मियों और आसपास मौजूद लोगों की जान-माल को खतरा उत्पन्न हो गया ।स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एसटीएफ के जवानों ने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनकर क्लोज कॉर्डनिंग की। इसी दौरान युवक ने पुलिस टीम को निशाना बनाकर गोली चलाई। आत्मरक्षा एवं आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें युवक के पैर में गोली लग गई।

3 महीने में सलेक्टेड अभ्यर्थियों की नियुक्ति करें पूरी

पटना हाईकोर्ट से बीएसपीएचसीएल को बड़ा झटका

पटना , एजेंसी। पटना हाईकोर्ट ने बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (बीएसपीएचसीएल) को बड़ा झटका देते हुए आंतरिक भर्ती प्रक्रिया रद्द करने के आदेश को निरस्त कर दिया है। अदालत ने कंपनी को निर्देश दिया है कि चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया तीन माह के भीतर पूरी की जाए।

पदोन्नति का अवसर देने के लिए निकली थी भर्ती : यह आदेश जस्टिस डॉ। अंशुमान की एकलपीठ ने 69 कर्मचारियों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत को बताया गया कि बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड ने अपनी सहायक कंपनियों के परामर्श से एक नीतिगत निर्णय लिया था।

इसके तहत वर्ग 3 और वर्ग 4 के उन कर्मचारियों को उच्च पदों पर जाने का अवसर दिया जाना था, जो आवश्यक शैक्षणिक योग्यता और पात्रता रखते थे। इसी उद्देश्य से कंपनी ने रोजगार सूचना संख्या 06/2024 जारी कर आंतरिक रिक्तियों को भरने की प्रक्रिया शुरू की थी।

553 पदों के लिए हुई परीक्षा : महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन)

की अध्यक्षता में गठित चयन समिति की अनुशंसा पर भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। कुल 553 रिक्तियों के विरुद्ध परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें 264 उम्मीदवार सफल घोषित किए गए। सफल अभ्यर्थियों की सूची प्रकाशित होने के बाद उन्हें 12 सितंबर 2025 को दस्तावेज सत्यापन और ज्वाइनिंग के लिए बुलाया गया था।

ज्वाइनिंग से एक दिन पहले भर्ती प्रक्रिया स्थगित : याचिकाकर्ताओं ने अदालत को बताया कि नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने से ठीक एक दिन पहले, 11 सितंबर 2025 को एक नोटिस जारी कर भर्ती प्रक्रिया को स्थगित कर दिया गया। इसके बाद 17 सितंबर 2025 को आयोजित बोर्ड की 125वीं बैठक में पूरी आंतरिक भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने का निर्णय ले लिया गया।

'भर्ती रद्द करने का कारण नहीं बताया गया' : अभ्यर्थियों की ओर से अदालत में दलील दी गई कि भर्ती प्रक्रिया रद्द करने के पीछे कोई ठोस कारण नहीं बताया गया। चयन प्रक्रिया पूरी होने और अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग के लिए बुलाने के बाद अचानक भर्ती रद्द करना मनमाना और अनुचित निर्णय था।

कंपनी ने मानकों से मेल नहीं खाने का दिया तर्क : वहीं, बीएसपीएचसीएल की ओर से अदालत को बताया गया कि चयन प्रक्रिया और परिणामों का तुलनात्मक विश्लेषण करने पर यह पाया गया कि प्रक्रिया अन्य सरकारी विभागों और संस्थानों में अपनाए जाने वाले मानकों के अनुरूप नहीं थी। कंपनी का कहना था कि इसी वजह से विभिन्न कर्मचारी वर्गों की ओर से आपत्तियां सामने आई थीं, जिसके बाद भर्ती प्रक्रिया रद्द करने का निर्णय लिया गया।

हाईकोर्ट ने रद्दीकरण आदेश को किया निरस्त : दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पटना हाईकोर्ट ने बीएसपीएचसीएल के महानिबंधक द्वारा जारी भर्ती रद्द करने के आदेश को निरस्त कर दिया। अदालत ने माना कि चयन प्रक्रिया पूरी होने और अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग के लिए बुलाए जाने के बाद भर्ती रद्द करने का निर्णय उचित नहीं था।

तीन माह के भीतर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश : हाईकोर्ट ने कंपनी को स्पष्ट निर्देश दिया कि चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया तीन माह के भीतर पूरी की जाए। अदालत के इस फैसले से लंबे समय से नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे 264 चयनित कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है।

बकाया मजदूरी का पैसा मांगने पर महिला से मारपीट :सिर फूटा, नवगछिया अस्पताल में भर्ती

भागलपुर, एजेंसी। नवगछिया के तेतरी गांव में बुधवार को मजदूरी के बकाया रुपये मांगने को लेकर हुए विवाद में एक महिला पर हमला किया गया। इस हमले में महिला के सिर में गंभीर चोट आई, जिसके बाद उसे अनुमंडल अस्पताल नवगछिया में भर्ती कराया गया। घटना के बाद गांव में कुछ देर के लिए तनाव का माहौल बन गया।

घायल महिला की पहचान तेतरी निवासी रानी देवी (पति राजेश कुमार मंडल) के रूप में हुई है। पीड़िता के पति राजेश कुमार मंडल ने बताया कि वे अपने एक रिश्तेदार (चाचा) के साथ मजदूरी करने बाहर गए थे। मजदूरी के दौरान उनके लगभग छह हजार रुपये खर्च हुए थे, जिसमें से केवल एक हजार रुपये वापस किए गए थे। पांच हजार रुपये अभी भी बकाया थे। राजेश कुमार मंडल के अनुसार, शेष राशि मांगने पर रिश्तेदार लगातार टालमटोल कर रहे थे। कई बार रुपये मांगने पर विवाद और धमकी भी दी गई। बुधवार शाम को जब रानी देवी ने फिर से बकाया राशि की मांग की, तो दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई। परिजनों ने बताया कि विवाद के दौरान रानी देवी के साथ मारपीट की गई, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट लगी और वह लहूलुहान होकर गिर पड़ीं। घटना के बाद आसपास के लोग जमा हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली।

अररिया में नेपाल से ब्राउन शुगर तस्करी, 119 ग्राम ड्रग्स के साथ नेपाली तस्कर गिरफ्तार

अररिया, एजेंसी। बिहार के अररिया जिले के बसमतिया थाना अंतर्गत सीमावर्ती क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। बुधवार को वाहन जांच के दौरान एक स्कॉर्पियो से 119 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद कर एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया गया।

नेपाली तस्कर गिरफ्तार: गिरफ्तार आरोपी की पहचान नेपाल के लौकही गांव निवासी अजीत कुमार साह के रूप में हुई है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल हो रही भारतीय नंबर प्लेट वाली स्कॉर्पियो को भी जब्त कर लिया है।

गुप्त सूचना पर कार्रवाई: बसमतिया थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक नेपाली नागरिक स्कॉर्पियो में छिपाकर ब्राउन शुगर लेकर नेपाल से भारत आ रहा है। सूचना पर तुरंत वाहन जांच अभियान शुरू किया गया।

वाहन तलाशी में बरामदगी: संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोककर की गई तलाशी में वाहन के अंदर छिपाकर रखा गया 119 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

न्यायिक हिरासत में भेजा गया: मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को अररिया न्यायालय में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने वाहन और मादक पदार्थ को भी सबूत के तौर पर जब्त कर लिया है।

सीमा पर सख्त निगरानी: पुलिस के अनुसार सीमावर्ती क्षेत्रों में नशे के अवैध कारोबार पर लगातार नजर रखी जा रही है। मादक पदार्थ तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त अभियान चलाया जाएगा।

सिपाही भर्ती परीक्षा से जुड़े चीट सप्लाई गैंग का भंडाफोड़, 7 लोग गिरफ्तार

नवादा, एजेंसी। बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा में धांधली को रोकने की दिशा में नवादा पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। परीक्षा केंद्र पर कदाचार और गोपनीयता भंग करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें से 2 जुवेनाइल हैं। जिन 15 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, उनमें बायोमैट्रिक कर्मी और जैमर ऑपरेटर भी शामिल हैं।

चीट सप्लाई गैंग का भंडाफोड़: दरअसल, जिले में आयोजित केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) परीक्षा के दौरान कदाचार का एक बड़ा मामला सामने आया है। नगर थाना में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार कन्हाई लाल साहू महाविद्यालय स्थित परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों तक चीट पहुंचाने, प्रश्नपत्र से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा परीक्षा की गोपनीयता भंग करने का प्रयास किया गया था।

केंद्र अधीक्षक ने दर्ज कराई एफआईआर: केंद्र अधीक्षक बाल्मिकी प्रसाद की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार परीक्षा के दौरान सूचना मिली कि कक्ष संख्या-01 के पास एक युवक द्वारा बाहर से परीक्षार्थियों तक चीट पहुंचाई जा रही है। सूचना मिलने पर केंद्राधीक्षक और पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

सेंटर के पास मिला फटा हुआ चीट: प्राथमिकी में उल्लेख है कि घटनास्थल के पास से एक फटा हुआ चीट बरामद किया गया, जिस पर विभिन्न प्रश्नों के क्रमांक के सामने उत्तर विकल्प अंकित थे। इसके बाद केंद्र परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें कुछ व्यक्तियों की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं।

एफआईआर के अनुसार पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान कुछ लोगों को हिरासत में लेकर उनके मोबाइल फोन की जांच की गई। जांच में कई परीक्षार्थियों के नाम, रोल नंबर, प्रश्नपत्र सेट कोड एवं अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं से संबंधित तस्वीरें मिलने की बात सामने आई है। पूछताछ के दौरान परीक्षा केंद्र के बाहर मौजूद कुछ व्यक्तियों, बायोमैट्रिक कार्य में लगे कर्मियों तथा अन्य सहयोगियों के नाम सामने आए।

क्या बोले एसएचओ: नवादा नगर थानाध्यक्ष उमाशंकर सिंह ने बताया कि नगर थाने में दर्ज प्राथमिकी में जैमर ऑपरेटर बिपिन कुमार, बायोमैट्रिक ठेकेदार रोहित कुमार उर्फ मुरारी, सहयोगी मनीष कुमार, बायोमैट्रिक कर्मी विकास कुमार व कुणाल कुमार, कथित मास्टरमाइंड रोशन कुमार, दो वीक्षक गुंजन कुमारी और शिक्षक अजीत कुमार सहित कुल 15 लोगों को नामजद किया गया है।

बिहार से साउथ इंडिया घूमने का बड़ा मौका, 13 दिनों का पैकेज

5 बड़े मंदिर के साथ इन स्थानों की करें यात्रा

पटना, एजेंसी। मानसून और सावन के समय दक्षिण भारत के मंदिरों की यात्रा की तैयारी कर रहे श्रद्धालुओं के लिए अच्छी खबर है। दक्षिण भारत के प्रसिद्ध मंदिरों और ज्योतिर्लिंगों के दर्शन अब एक ही यात्रा में किए जा सकेंगे। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम यानी आईआरसीटीसी 14 जुलाई 2026 से विशेष 'भारत गौरव पर्यटक ट्रेन' का संचालन करने जा रहा है, जिसके जरिए श्रद्धालुओं को तिरुपति बालाजी, रामेश्वरम, मीनाक्षी मंदिर, कन्याकुमारी और मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग समेत कई प्रमुख तीर्थस्थलों के दर्शन कराए जाएंगे।

12 रात और 13 दिन का पैकेज: खास बात यह है कि यह ट्रेन बिहार के पटना समेत कई स्टेशनों से होकर गुजरेगी, जिससे राज्य के हजारों श्रद्धालुओं को सीधे इस धार्मिक यात्रा से जुड़ने का अवसर मिलेगा। 12 रात और 13 दिन के इस ऑल-इनक्लूसिव पैकेज में रेल यात्रा से लेकर ठहरने, भोजन और स्थानीय भ्रमण तक की व्यवस्था आईआरसीटीसी की ओर से की गई है।

झारखंड के दुमका से शुरू होगी यात्रा: आईआरसीटीसी के पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय के प्रबंधक राजेश कुमार ने बताया कि यह यात्रा झारखंड के दुमका से शुरू होगी और रास्ते में बिहार के कई महत्वपूर्ण स्टेशनों पर ठहराव दिया जाएगा। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार किए गए इस पैकेज में श्रद्धालुओं को दक्षिण भारत के प्रमुख मंदिरों और आध्यात्मिक केंद्रों तक ले जाया जाएगा।

कई स्थानों के भ्रमण कर सकेंगे पर्यटक: उन्होंने आगे कहा कि कन्याकुमारी मंदिर, विवेकानंद रॉक मेमोरियल और द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन का भी अवसर मिलेगा। धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इन स्थलों को एक ही यात्रा में जोड़कर पैकेज को तैयार किया गया है।

कहां-कहां से गुजरेगी ट्रेन: बोर्डिंग की सुविधा दुमका के अलावा हंसडीहा, भागलपुर, सुलतानगंज, जमालपुर, किऊल, मोकामा, बख्तियारपुर, पटना साहिब, पटना, आरा, बक्सर, दिलदारनगर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन और प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर उपलब्ध होगी। इससे बिहार और झारखंड के हजारों श्रद्धालुओं को अपने नजदीकी स्टेशन से यात्रा शुरू करने की सुविधा मिलेगी।

कितना होगा किराया: आईआरसीटीसी को उम्मीद है कि इस धार्मिक पर्यटन पैकेज को लेकर यात्रियों में अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिलेगी। यात्रा के लिए तीन श्रेणियों में बुकिंग की व्यवस्था की गई है। इकोनॉमी श्रेणी का किराया 25400 रुपये प्रति व्यक्ति रखा गया है, जिसमें स्लीपर क्लास से यात्रा, नॉन-एसी होटल में ठहरने और भोजन की व्यवस्था शामिल है।

बिहार में भीषण सड़क हादसा, बाइक सवार तीन किशोरों की मौत

नालंदा , एजेंसी। बिहार के नालंदा में भीषण सड़क हादसा हुआ है। तेज रफ्तार बाइक और ई रिक्शा के बीच हुई टक्कर में बाइक सवार तीन किशोरों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना तेल्हाड़ा थाना क्षेत्र के गंगा बिगहा गांव के निकट पुल के पास की है।

नालंदा में तीन किशोरों की मौत : मृतकों की पहचान तेल्हाड़ा थाना क्षेत्र के कोठारी गांव निवासी अंकुश कुमार (उम्र- 15 वर्ष, पिता का नाम- सतीश चौधरी), सन्नी कुमार (उम्र- 15 वर्ष, पिता का नाम- राजा चौधरी) और तन्नू कुमार (उम्र- 15 वर्ष, पिता का नाम- मनोज चौधरी) के रूप में हुई है।

एक ही परिवार के थे सभी मृतक : घटना के संबंध में बताया जाता है कि मृत तीनों किशोर एक ही परिवार का है। परिवार के लोगों ने बताया तीनों किशोर एक बाइक पर सवार होकर तेल्हाड़ा बाजार जा रहे थे। उसी दौरान गंगा बीघा पुल पर ई-रिक्शा और बाइक में टक्कर हो गई। जिससे बाइक सवार एक किशोर की मौत घटना स्थल पर ही हो गई।

पटना-गया फोरलेन पर क्रैश बैरियर से टकराई ऑटो, एसएपी जवान समेत 6 यात्री जखमी

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में भीषण सड़क हादसा हुआ है। राजधानी के पटना-गया फोरलेन पर बुधवार को तेज रफ्तार ने फिर कहर बरपाया। पटना से मसौढ़ी जा रही यात्रियों से भरी टेंपो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे लोहे के क्रैश बैरियर से टकरा गई। ये टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में मसौढ़ी जेल के एसएपी जवान समेत 7 यात्री और ड्राइवर गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

यात्रियों के हाथ-पैर फ्रैक्चर: मिली जानकारी के अनुसार गंभीर रूप से जख्मी दो यात्रियों को पहले अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें पटना रेफर कर दिया गया। घायलों में मसौढ़ी जेल के एसएपी जवान हरे राम सिंह भी शामिल है। वे कुछ दिनों की छुट्टी के बाद पटना से मसौढ़ी ड्यूटी ज्वाइन करने जा रहे थे। उन्हें पटना के लोकनायक जयप्रकाश नारायण हड्डी अस्पताल रेफर किया गया है। दूसरे गंभीर रुप से घायल आनंद कुमार का हाथ और पैर बुरी तरह जख्मी है। अधिकांश यात्रियों के हाथ-पैर

फ्रैक्चर हो गए हैं।

गाड़ी को बचाने में टेंपो अनबैलेंस: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार टेंपो पटना की ओर से मसौढ़ी आ रही थी। कैवडा ओपी क्षेत्र के पोठही गांव के पास अचानक सामने से आ रही एक गाड़ी को बचाने के चक्कर में टेंपो अनबैलेंस हो गई। ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और टेंपो सीधे सड़क किनारे लगे लोहे के बैरियर से जा टकराई। हादसा इतना भयानक था कि ऑटो का एक-एक कलपुर्जा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

ड्राइवर की हालत भी नाजुक: टेंपो में सवार सभी यात्रियों के हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई हैं। ड्राइवर की हालत भी नाजुक बताई जा रही है। हादसे के बाद चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुनपुन और कैवडा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को टेंपो से बाहर निकाला। अत्यंत गंभीर अवस्था में दो मरीजों को अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जबकि अन्य 4 घायलों को आसपास के निजी नर्सिंग होम में इलाज के लिए भेजा गया है।

तेज रफ्तार और ओवरलोडिंग आम बात: स्थानीय लोगों का कहना है कि पटना-गया फोरलेन पर ऑटो-टेंपो वाले सवारी के चक्कर में काफी तेज रफ्तार में गाड़ी चलाते हैं। ओवरलोडिंग भी आम बात है। इस कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने क्षतिग्रस्त टेंपो को जब्त कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।साथ ही घायलों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

थानाध्यक्ष का बयान: वहीं घटना को लेकर पुनपुन थानाध्यक्ष बेबी कुमारी ने कहा कि पोठही के पास फोरलेन पर हादसा हुआ है। 6 लोग जख्मी हुए हैं जिसमें दो लोगों को अनुमंडल अस्पताल में पहुंचाया गया है, जिन्हें पटना रेफर किया गया है। कई अन्य लोग इधर-उधर अपना इलाज करवा रहे हैं। बताया जा रहा है कि ऑटो तेज रफ्तार में चल रही थी और बैरियर से टकरा गई है। मामले की जांच की जा रही है। ये ड्राइवर की लापरवाही हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

मुहर्रम जुलूस वाले रास्ते पर कस दें लटके बिजली तार

गोरखपुर , एजेंसी। डीएम दीपक मीणा ने पुलिस लाइन में मुहर्रम की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। उन्होंने बिजली निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जुलूस वाले रास्तों का निरीक्षण कर बिजली के लटके तारों को कस दें और जहां जर्जर तार है उसे बदल दें। डीएम ने कहा कि मुहर्रम परंपरागत रूट से ही निकाले जाएं और किसी प्रकार शस्त्र प्रदर्शन न करें। शांति एवं सद्भावना समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने कहा कि असामाजिक तत्व किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न करें तो जिम्मेदार व्यक्ति पुलिस को तत्काल सूचना दें ताकि त्वरित कार्रवाई करके किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को तत्काल रोका जा सके। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जुलूस वाले रूटों पर चूना छिड़काव, नालों की साफ-सफाई, अपशिष्ट निस्तारण का प्रबंध कराएं। छुट्टा पशु सड़कों पर इधर-उधर न घूमते मिलें और लाइट आदि की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने सभी मुतवल्लियों से अपील करते हुए कहा कि ताजिया की ऊंचाई मानक के अनुसार और जुलूसों में प्रयोग किए जाने वाले डीजे में दो साउंड सिस्टम से अधिक प्रयोग न करें। उसकी आवाज मानक के नियमानुसार ही रखे। उन्होंने सभी थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बैठक में शांति एवं सद्भावना समिति के सदस्य डॉ. सुधाकर पांडेय, आदिल अमीन, मुर्तुजा हुसैन रहमानी आदि मौजूद रहे ।

अब नौवीं-दसवीं में तीन भाषाएं पढ़ना होगा अनिवार्य, तीसरी भाषा पर सस्पेंस; एक जुलाई से खुल रहे स्कूल

आगरा, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) और राष्ट्रीय विद्यालय शिक्षा ढांचा (एनसीएफ-एसई-2023) के तहत 9वीं में तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य कर दिया है, जिनमें से कम से कम दो भाषाएं भारतीय मूल की होनी चाहिए। 1 जुलाई से विद्यालय खुलने जा रहे हैं, लेकिन अभी तक यह तय नहीं हुआ कि कक्षा 9 में तीसरी भाषा के रूप में कौन सी भाषा और किताबों से पढ़ाई कराई जानी है। निजी सीबीएसई स्कूल की निदेशक दीपिका त्यागी बताती हैं कि तीन-भाषा फार्मूले को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। फिलहाल सीबीएसई के सुझाव पर कक्षा 9 के विद्यार्थियों को तीसरी भाषा के तौर पर कक्षा 6 की संस्कृत किताबों से पढ़ाया जाएगा। एसोसिएशन ऑफ प्रोग्रेसिव स्कूल्स ऑफ आगरा (अप्सा) सचिव गिरधर शर्मा बताते हैं अभी तक न तो पाठ्यक्रम को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश मिले हैं और न ही यह बताया गया है कि छात्रों का मूल्यांकन किस प्रकार किया जाएगा। अप्सा अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने बताया कि आगरा में सीबीएसई के कुछ ही स्कूलों में फ्रेंच या जर्मन पढ़ाई जाती है। हमारे स्कूल में भी जर्मन भाषा छात्रों को पढ़ाई जाती थी, लेकिन नए नियम के तहत दो भारतीय भाषा जरूरी है इसलिए हमने जर्मन भाषा के शिक्षक को हटा दिया है। सीबीएसई का सुझाव हैं कि कक्षा 6 की संस्कृत की किताब से पढ़ाया जाए हम भी उसी को ही फॉलो करेंगे।

कार्ड बांटकर बाइक से लौट रहे दो दोस्तों को डीसीएम ने रौंदा, दूल्हा गंभीर

कन्नौज , एजेंसी। शादी के निमंत्रण पत्र बांटकर लौट रहे युवक की बाइक में बुधवार को तेज रफ्तार डीसीएम ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक व उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को सौ शैया अस्पताल से प्राथमिक इलाज के बाद राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मैनपुरी जिले के बेवर क्षेत्र के ग्राम नगला बहोरी निवासी पुष्पराज (25) की 26 जून को शादी है। मंगलवार सुबह वह दोस्त बेवर क्षेत्र के ग्राम वीलपुर निवासी शिवम यादव (24) के साथ बाइक से कार्ड बांटने निकला था। दोनों निमंत्रण पत्र वितरित कर दोपहर में गांव लौट रहे थे। अलीगढ़-कानपुर हाईवे पर बरुआ सबलपुर के सामने एक ढाबे के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डीसीएम की रफ्तार काफी तेज थी। बाइक को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित होकर डीसीएम सड़क पर पलट गई। दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। परिजनों ने बताया कि गंभीर हालत में तिर्वा से रिजेंसी भेजा गया था पर चिकित्सकों ने इलाज से मना कर दिया।परिजनों ने बताया कि पुष्पराज के पिता सुखदेव पुलिस महकमे में एसआई के पद पर कार्यरत हैं। पुष्पराज का तिलक समारोह 21 और 26 जून को बरात औरैया जिले के ग्राम पूर्वा पुने जानी है। शादी की तैयारियां जोरों पर चल रही थीं, लेकिन हादसे की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई।

टीएमसी और शिवसेना के बाद सपा में टूट की खबरें

25 से 27 सांसदों के टूट जाने की बात; सपा ने किया पलटवार

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में समाजवादी पार्टी क्या टूटने जा रही है। बीते कुछ समय से भाजपा और उसके सहयोगी दलों के नेता लगातार सपा में टूट की बात कह रहे हैं। ओपी राजभर के बाद डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा कि सपा के 25 से 27 सांसद टूटने वाले हैं। सपा की इन टूट की बातों पर अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया भी दी है। इस बीच यूपी कैबिनेट में मंत्री ओपी राजभर लगातार सपा के टूटने की बात दोहरा रहे हैं। उन्होंने रामगोपाल वर्मा का जिक्र करते हुए कहा था कि उनके नेतृत्व में सपा के सांसद बागी होने जा रहे हैं। इस पर उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी थी।

हम नहीं तोड़ रहे हैं, पर टूट रहे हैं सपा के सांसद : प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- समाजवादी पार्टी के 25-26 सांसद टूटने को तैयार हैं, हम तोड़ नहीं रहे हैं। 2027 में वे अपने आप टूटकर चले जाएंगे। जो हश्र टीएमसी का पश्चिम बंगाल में हुआ है, यूपी के विधानसभा चुनाव में सपा का उससे भी बुरा हश्र होगा। 2027 में सपा चारों खाने चित हो जाएगी।

डिप्टी सीएम, केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को साकेत नगर के एक होटल में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में आए थे। सम्मेलन से पहले पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने यह दावा भी किया कि सपा, बसपा और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ें या अलग अलग, भाजपा रिकार्ड विजय पाकर उत्तर प्रदेश में तीसरी बार और देश में चौथी बार सरकार बनाएगी। सपा ब्राह्मण सम्मेलन कर ले या ठाकुर सम्मेलन, कोई फायदा नहीं होने वाला। अखिलेश यादव की साइकिल सैफई जा सकती है, सत्ता के गलियारे में नहीं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और सुभासपा अध्यक्ष और पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर में इन दिनों खूब जुबानी जंग जारी है। इसी कड़ी में राजभर ने बुधवार को भी सपा अध्यक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सपा अध्यक्ष से गठबंधन तोड़ने के कारणों पर जवाब मांगा है। उन्होंने सपा अध्यक्ष को घेरते हुए कहा कि मैने तो सिर्फ आपसे यही कहा था कि एसी से जरा बाहर निकलकर ज़मीन पर आइये, थोड़ी मेहनत कर लीजिए। आप तो एसी से निकलने को तैयार नहीं थे और नाराज होकर तोड़ लिया समझौता। हमें सम्मान मिला तो हम पिछड़े, शोषितों और वंचितों की आवाज़ उठाने भाजपा के साथ आए और बस उसी काम में लगे हैं। यहां एसी पीसी वाले कोई हैं नहीं।

राजभर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर अखिलेश पर निशाना साधते हुए लिखा है कि अभी तो उन्होंने सिर्फ राम गोपाल यादव की सिर्फ चिट्ठी का जिक्र किया है। अगर खनन घोटाला और गोमती रिवर फ्रंट के पापियों का नाम लिख देंगे तो भूचाल आ जाएगा। उन्होंने लिखा है कि आखिर रामगोपाल यादव किसे बचाने के लिए सौदा कर रहे हैं? उन्होंने तंज कसते हुए लिखा है कि सपा अध्यक्ष की लंका में आग लगने वाली है और वे दूसरों की चिंता कर रहे हैं। सुभासपा अध्यक्ष ने अखिलेश को पुराना मित्र बताते हुए लिखा है कि मित्रता के चलते पहले ही बता दे रहे हैं कि बचा सकते हैं तो सपा को बचा लीजिए। अपने सांसदों व विधायकों के हाथों में कुरान व गीता देकर शपथ करा लीजिए, सभी सच उगल देंगे। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर इशारा भी किया है कि विभीषण आपके ही साथ घूम रहा है, जो आपकी लंका में आग लगवाकर ही रहेगा।

कहां से आई आलू और प्याज की बात? : सपा अध्यक्ष द्वारा टिकट का एडवांस लेने संबंधी बयान का जवाब देते हुए राजभर ने लिखा है कि सपा अध्यक्ष हमारे घर पर आकर देख लें, वहां दो-चार किलो आलू, प्याज और बोरी भर गेंहू मिलेगा। कौन पैसा लेकर लोडर बनाता है और कौन दबे कुचलों को नेता बनाता है, ये आप भी बेहतर जानते हैं। राजभर ने सपा अध्यक्ष पर तंज कसते हुए लिखा है कि देख लीजिएगा, इस गर्मी में भी आप बंद कमरे में एसी की ठंडी हवा खाते रहे तो बाहर राजनैतिक शॉर्ट सर्किट से आपकी लंका जलकर ख़ाक हो जाएगी। मेरा एक सुझाव है कि सपा का विलय सुभासपा में कर लीजिए। हम आपको कुछ ना कुछ तो ज़रूर बना देंगे। इंतज़ार रहेगा आपके जवाब का।

आगरा-दिल्ली हाईवे पर होदसों ने रोकी रफ्तार, जाम में फंसे वाहन

आगरा। आगरा- दिल्ली हाईवे पर बुधवार को दो हादसों ने हाईवे पर रफ्तार को ब्रेक लगा दिए। भावना स्टेट कट पर तेज रफ्तार ट्रोला के डिवाइडर के टकराने के बाद गुरुद्वारा गुरु का ताल की ओर का आवागमन रुक गया और लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने पर डीसीपी ट्रैफिक सोनम कुमार खुद मौके पर पहुंचे और टीम की मदद से ट्रोला हटवाकर यातायात सुचारु करवाया। वहीं आईएसबीटी के पास नगर निगम की कूड़ा गाड़ी पलट गई और काफी देर जाम लगा रहा।

बुधवार दोपहर 11:45 बजे मथुरा से आ रहा ट्रोला तेज रफ्तार के चलते अनियंत्रित हो गया। भावना एस्टेट के पास आगे जा रहे वाहनों से टकराने से बचा और मेट्रो के डिवाइडर से टकरा गया। इसके बाद सड़क पर तिरछा होकर बंद हो गया। चालक को हल्की चोट आई। दोनों पहिए जाम हो गए। इस कारण सिकंदरा की ओर से आने वाले वाहनों की लाइन लग गई।

करीब एक किमी तक जाम लग गया। जाम का असर वैकल्पिक मार्गों पर भी दिखा। सिकंदरा-बोदला आरओबी से कारगिल और करकुंज से कैलाशपुरी रोड और मदिया कटरा व ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में भी वाहनों का दबाव बढ़ने पर लोग परेशान रहे। डीसीपी सोनम कुमार ने मौके पर पहुंच कर क्रेन की मदद से ट्रोला को हटवाया। करीब एक घंटे बाद जाम खुल सका।

कूड़ा गाड़ी पलटने से लगा जाम

आईएसबीटी फ्लाईओवर के पास नगर निगम की डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन करने वाली लोडिंग गाड़ी को कार ने ओवरटेक करने का प्रयास किया। इससे कूड़ा गाड़ी पलट गई। चालक गुजरात जोशिल गाड़ी के अंदर फंस गया। लोगों ने उसे बाहर निकाला। इससे करीब एक घंटे तक जाम लगा रहा।

नगर निगम ने नाला सफाई पर खर्च कर दिए तीन करोड़ रुपये, लेकिन हकीकत कुछ और

आगरा , एजेंसी। नालों की सफाई एक अप्रैल से शुरू की गई। 75 दिनों में शहर के 18 नालों की सफाई का काम नगर निगम के 396 कर्मचारी और 41 मशीनें नहीं कर पाई, जिनके केवल दो माह के वेतन और डीजल पर ही 3 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च हो चुके हैं। वेस्टर्न डिस्टरबेंस की बारिश में ही शहर की हर गली, मोहल्ला जलभराव का शिकार हो गया। मानसून की पहली बारिश में हालात और खराब होने की आशंका है। पार्षदों ने नगर आयुक्त से शिकायत की है कि तीन करोड़ रुपये खर्च होने पर भी नालों की सिल्ट और प्रवाह में कोई फर्क नजर नहीं आया है।

ताजमहल से लेकर सिकंदरा और मधु नगर से दयालबाग तक के नालों की तलीझाड़ सफाई के दावे नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने किए हैं। पार्षदों ने 15 जून की मियाद पूरी होने के बाद नालों की सफाई का काम देखना शुरू किया तो हकीकत सामने आ रही है। पार्षद नालों की सफाई देखकर हैरत में हैं। मार्च में नाले जिस तरह से चोक थे, अब भी वैसे ही मिल रहे हैं। नालों में कचरा पहले से ज्यादा भरा मिल रहा है, लेकिन आंकड़ों में 18 में से 13 बड़े नालों को साफ दिखाया जा रहा है।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी को हटाने की मांग : रवि माथुर, पार्षद- नगर स्वास्थ्य अधिकारी को हटाया जाए। उन्हें नालों की जानकारी ही नहीं है, सफाई कैसे कराएंगे। एक भी नाला तलीझाड़ साफ नहीं हुआ है। तीन करोड़ रुपये बर्बाद हो गए और पूरा शहर पानी में हर बारिश में डूब रहा है। -

राकेश जैन, पार्षद- गैंग के कर्मचारियों के साथ आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को भी नाला सफाई में लगाया गया है। 1500 कर्मचारियों का पता नहीं। नाले साफ हुए नहीं, फिर यह 3 करोड़ रुपये कहां चले गए।

जरीना बेगम, पार्षद - क्षेत्र में नालों की सफाई नहीं हुई है। सराय ख्वाजा, खेरिया मोड़, जगनेर रोड पर मामूली बारिश में ही एक से दो फुट तक पानी भर रहा है। सिल्ट और कचरा नालों में भरा पड़ा है।

नैनीताल में खाई में गिरा मेरठ के पर्यटकों का वाहन

दो महिलाओं की मौत, 18 लोग घायल; ब्रेकफेल होने से हादसा

मेरठ , एजेंसी। वाहन में सवार सभी लोग मेरठ स्थित इस्लामाबाद ताला फैक्टरी क्षेत्र के रहने वाले हैं जो नैनीताल से लौट रहे थे। कालाढूंगी पहुंचने से एक किलोमीटर पहले ब्रेक फेल होने पर चालक नईम ने नियंत्रण खो दिया और वाहन खाई में जा गिरा। मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और बचाव टीमों ने घायलों को खाई से निकालकर सरकारी अस्पताल पहुंचाया। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक हादसे में नाजमीन (32) पत्नी शाकिर और फरद बेगम (55) की मौत हो गई है। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप घायल पर्यटकों को हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल भेज दिया गया, जबकि मामूली घायलों को छुट्टी दे दी गई।

जैसे ही इसकी सूचना मेरठ में इनके परिवारवालों को मिली, उनमें कोहराम मच गया। यहां से भी देर रात परिवार के लोग नैनीताल के लिए रवाना हो गए हैं। नैनीताल जा रहे अरशद ने बताया कि ये लोग किताबों का काम करने वाले उनके दोस्त नफीस के परिवारजन व रिश्तेदार हैं। घूमने के लिए गए हुए थे। शहर विधायक रफीक अंसारी, सपा महानगर अध्यक्ष आदिल चौधरी, हसीन सैफी और शाहजहां सैफी ने आदि ने पीड़ित परिवार का हाल जाना।

ये हुए घायल

सुहेमा (8) पुत्री नफीस, तस्वीबिया (11) पुत्री रईस, माहिरा (1) पुत्री नईमुद्दीन, आशिक (24) पुत्र नवाबुद्दीन, सना (22) पत्नी आशिक, साद (2) पुत्र आशिक, सोफिया (15) पुत्री नवाब, आयशा (23) पत्नी मोनिस, अनीसा (40) पत्नी निजामुद्दीन, शाकिर (35) पुत्र यामीन, फरहत (48) पत्नी इकबाल, नफीस अहमद, रशीद अहमद (45) लाइबा (30) पत्नी नईम, उल्बिया (25) पुत्री अनीस अहमद, मोनिस (30) पुत्र निजामुद्दीन, रेशमा (40) पत्नी नवाब, रुखसाना (50) पत्नी अनीस अहमद।

ये बोली पुलिस

प्रथम दृष्टया ब्रेक फेल के चलते दुर्घटना की आशंका है, मामले की जांच की जा रही है। -अरुण कुमार सैनी, कोतवाल कालाढूंगी

2200 घरों को एक महीने में एलपीजी सिलिंडर सरेंडर करने होंगे

अलीगढ़ , एजेंसी। शहरी इलाकों में रसोई गैस को लेकर बड़ा बदलाव होने वाला है। जिन क्षेत्रों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की लाइन पहुंच चुकी हैं, वहां एलपीजी सिलिंडरों का उपयोग बंद करना होगा। अगले एक महीने के भीतर 2200 उपभोक्ताओं को अपने एलपीजी सिलिंडर सरेंडर करने पड़ सकते हैं।

इंडियन ऑयल अदाणी गैस कंपनी ने पहले चरण में शहर के 10 से अधिक प्रमुख इलाकों में पाइपलाइन नेटवर्क बिछाया है। इनमें तालानगरी, मंजूरगढ़ी, सीडीएफ छेरत, धौरां माफी, मैरिस रोड और क्लार्सी चौराहा शामिल हैं। ओजोन सिटी, सांगवान सिटी, इंजीनियर्स कॉलोनी, हरदुआगंज और महेशपुर भी इन इलाकों में हैं।

वर्तमान में शहर के 2200 घरों में पीएनजी पहुंच चुकी है, जिन्हें अब अपना पुराना एलपीजी कनेक्शन छोड़ना होगा। एक महीने बाद इन इलाकों में सिलिंडरों की डिलीवरी पूरी तरह बंद हो सकती है। इंडियन ऑयल अदाणी गैस के क्षेत्र प्रमुख आलोक कुमार गिरि ने बताया कि इसके लिए सरकार की ओर से भी आदेश जारी किए गए हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक विशेष जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है जो इस पूरे बदलाव की निगरानी कर रही है। कंपनी ने चिह्नित इलाकों में 5,000 मुख्य पॉइंट स्थापित किए हैं। इन पॉइंट की मदद से सीधे 15 हजार से अधिक घरों को पीएनजी से जोड़ा जा सकता है।

कानपुर में पारा 41 पार, उमस भरी गर्मी ने बेहाल किया, मौसम विभाग ने की भविष्यवाणी

कानपुर , एजेंसी। बुधवार को पारा 41 डिग्री पार कर गया। मौसम विज्ञान केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक चकेरी स्थित केंद्र पर अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री दर्ज किया गया। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि की मौसम वेधशाला में अधिकतम तापमान 40 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। दोपहर में तपिश ने शहरियों को बेहाल कर दिया। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि लू जारी रहेगी। बारिश की अभी कोई संभावना नहीं है।

सीएसए की मौसम वेधशाला की रिपोर्ट के मुताबिक अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान 17 जून के सामान्य औसत तापमान से अधिक रहे हैं। अधिकतम तापमान सामान्य से 1.4 डिग्री और न्यूनतम पारा 0.6 डिग्री अधिक रहा है। मौसम विभाग के नोडल एवं तकनीकी अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि तापमान में अभी और इजाफा हो सकता है। बारिश की संभावना नहीं है।

परिजनों में आक्रोश, बोले- आरोपियों का एनकाउंटर हो

बरेली , एजेंसी। बरेली के बारादरी थाना क्षेत्र के संजयनगर में सोमवार रात डीजे संचालक अर्जुन मौर्य की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद परिजनों ने मंगलवार को पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर हंगामा किया। परिजनों ने सड़क पर जाम लगाकर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और एनकाउंटर करने की मांग की। हंगामे के कारण आधे घंटे तक सड़क पर यातायात बाधित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा और परिजनों को शांत कराया। पुलिस अफसरों ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन सड़क से हटे और यातायात सुचारू हो सका। पुलिस ने कहा है कि आरोपियों की तलाश जल्द की जाएगी।

हमलावर ने सिर में मारी थी गोली : गोसाईं गौटिया निवासी अर्जुन मौर्य डेलापीर स्थित एक बारातघर से काम खत्म कर घर लौट रहे थे। रास्ते में घात लगाए हमलावरों ने उन्हें घेर लिया और सिर में गोली मार दी। गोली की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक अर्जुन की मौत हो चुकी थी। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए।

आरोपियों का एनकाउंटर करने की मांग : मृतक के पिता ने तीन आरोपियों के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मंगलवार सुबह परिजन और रिश्तेदार पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर जमा हो गए। परिजनों ने सड़क पर जाम लगाकर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और एनकाउंटर की मांग की।

इकलौता बेटा था अर्जुन : परिजनों के अनुसार, इकलौता बेटा अर्जुन परिवार की जिम्मेदारियों में हाथ बंटाता था। पिता राकेश मौर्य बार-बार यही कह रहे थे कि उनका जवान बेटा उनसे छीन लिया गया। अर्जुन के पिता राकेश मौर्य राष्ट्रीय हिंदू महासभा (भारत) के जिला सचिव भी हैं।

एसपी मानुष पारीक ने बताया कि अर्जुन की हत्या के मामले में परिवार ने कुछ लोगों के नाम बताए हैं, जिनके घर दबिश दी जा रही है। आसपास के सीसी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही राजफाश किया जाएगा।

तीन आरोपियों पर हत्या की रिपोर्ट : अर्जुन के पिता राकेश मौर्य की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। उन्होंने आरोपी कुश, अर्पित और कपिल को नामजद कराया है। इनके कुछ और सहयोगी साथ होने का भी अंदेशा जताया है। आरोपियों के घर अर्जुन के घर के आसपास हैं और यह लोग भी बरातघर व डीजे के काम से जुड़े हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में तीन दिनों तक घर-घर पहुंचेंगे भाजपा नेता, जनकल्याणकारी नीतियों की देंगे जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। नरेन्द्र मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर भाजपा पांच जून से 21 जून तक सेवा पखवाड़ा मना रहा है। इसमें भाजपा नेता व कार्यकर्ता समाज में सेवा कार्य करने के साथ ही मोदी सरकार और दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी नीतियों को जनता तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में बृहस्पतिवार से तीन दिनों तक पार्टी के नेता व कार्यकर्ता जनसंपर्क अभियान चलाएंगे। वे घर-घर जाकर लोगों को इस बारे में जानकारी देंगे। जनकल्याणकारी नीतियों की जानकारी देने के लिए बृहस्पतिवार से तीन दिनों तक दिल्ली में 42 स्थानों पर विशेष शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं। आम नागरिक इन शिविरों में जाकर जनकल्याणकारी नीतियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के साथ ही उसका लाभ उठाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। यदि इन नीतियों का लाभ उठाने में किसी तरह की परेशानी आ रही है तो उसका भी मौके पर समाधान किया जाएगा। जनसंपर्क अभियान में भी नेता व कार्यकर्ता लोगों से सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के बारे में जानकारी देकर उसका लाभ उठाने के लिए प्रेरित करेंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने विधानसभा क्षेत्र शालीमार बाग में जनसंपर्क अभियान में शामिल होंगी। वहीं, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा शाहदरा में जनसंपर्क अभियान करेंगे। सभी सांसद, दिल्ली सरकार के मंत्री, विधायक व पार्षद और पदाधिकारी भी अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों के घर जाएंगे।

यमुना खादर इलाके में दिल्ली पुलिस का एनकाउंटर

नई दिल्ली, एजेंसी। नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के यमुना खादर इलाके में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसके बाद राशिद मर्डर केस में शामिल दो अपराधियों, आतिफ और इस्माइल को गिरफ्तार कर लिया गया है। मालूम हो कि 15 जून को दयालपुर पुलिस स्टेशन में फायरिंग की घटना की सूचना मिली। नेहरू विहार में घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला कि तीन हमलावरों ने राशिद नाम के व्यक्ति पर गोली चलाई थी। घायल व्यक्ति को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

दिल्ली सरकार ने किया संविधान संशोधन विधेयक का समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों व मंत्रियों को गंभीर अपराधों के मामलों में 30 दिन से अधिक समय तक हिरासत में रहने पर पद से हटाने के प्रविधान वाले संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 का दिल्ली सरकार ने समर्थन किया है। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025 पर चर्चा करने के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सदस्य बुधवार को दिल्ली सचिवालय पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ बैठक की। उन्हें इस विधेयक के बारे में जानकारी दी और इस बारे में सुझाव लिए। मुख्यमंत्री ने विधेयक का समर्थन किया। कहा कि इस विधेयक का मूल उद्देश्य सार्वजनिक पदों पर आसीन व्यक्तियों के प्रति जनता के विश्वास को और मजबूत करना है। यह सार्वजनिक जीवन में उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और संवैधानिक नैतिकता को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। पिछले वर्ष अगस्त में लोक सभा में संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 और संघ राज्य क्षेत्र सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया गया था। इनमें प्रविधान है कि यदि पीएम, सीएम या केंद्रीय/राज्य मंत्री को किसी गंभीर आपराधिक मामले (जिसमें 5 वर्ष या उससे अधिक की सजा का प्रविधान हो) में गिरफ्तार किया जाता है और वह लगातार 30 दिन से अधिक समय तक न्यायिक हिरासत में रहते हैं, तो उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। इन विधेयकों को संसद के पटल पर रखे जाने के बाद विस्तृत समीक्षा के लिए जेपीसी के पास भेजा गया था। जेपीसी अलग-अलग राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों, कानूनी विशेषज्ञों और संविधानविदों से सुझाव ले रही है। इसी कड़ी में बुधवार को समिति के सदस्य दिल्ली सचिवालय पहुंचे।

पीएम उदय योजना में लोग नहीं दिखा रहे दिलचस्पी

डेढ़ माह में आए सिर्फ 29 आवेदन; वजह आई सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की 1511 अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वालों को 'जैसा है, जहां है' के आधार पर मालिकाना हक देने के लिए केंद्र सरकार पीएम उदय योजना लाई है। हालांकि, इसमें लोग खास दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। हालत यह है कि इन कालोनियों में रहने वाले करीब चार लाख लोगों में से अप्रैल से अब तक महज 29 लोगों ने ही आवेदन किया है। एमसीडी इसकी वजह नियमतीकरण शुल्क का ज्यादा होना मान रही है। इसलिए एमसीडी ने डीडीए को पत्र लिखकर शुल्क घटाने की मांग की है। एमसीडी को उम्मीद है कि शायद इस कदम के बाद बड़ी संख्या में लोग सामने आएं।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली में पीएम उदय योजना को 2019 में लाया गया था। शुरुआत में इसका उद्देश्य 1731 कालोनियों में रहने वाले करीब 45 लाख लोगों को उनके घर का मालिकाना अधिकार देना था। हालांकि, तय मानक से अतिरिक्त निर्माण करने व दूसरी प्रक्रियाएं जटिल होने की वजह से छह साल में मात्र 40 हजार लोग ही इसका लाभ ले पाए। इसकी वजह से अप्रैल 2026 में केंद्र सरकार ने 'जैसा है, जहां है' के आधार पर इन कॉलोनियों को नियमित करने का फैसला किया।

सात अप्रैल में केंद्र सरकार ने पीएम उदय योजना का कार्य एमसीडी को सौंपा था।

हालांकि, कानूनी पचड़ों में फंसी 200 कालोनियों की संख्या को घटा दिया गया। अब 1511 अनधिकृत कालोनियों को ही नियमित किया जा सकता है। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि योजना का लाभ देने के लिए स्वगम पोर्टल लांच किया गया था, लेकिन बहुत कम लोग पंजीकरण के लिए आ रहे हैं। लोगों की मदद करने के लिए शिविर भी लगा रहे हैं, लेकिन लोग दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। यह कालोनियां जिन इलाकों में हैं, वहां सड़कें हैं। लोगों के घरों में बिजली-पानी की सुविधा है। ऐसे में लोग अलग से रजिस्ट्री कराने के लिए लाखों रुपये शुल्क नहीं देना चाहते हैं।

अनधिकृत कालोनियों में संपत्तियों की खरीद फरोख्त जनरल पावर अटार्नी के आधार पर होती है। इसलिए एमसीडी ने इसका नियमितीकरण का शुल्क एक तिहाई कम करने का आग्रह डीडीए से किया है। अब तक 350 फ्लोर एरिया रेश्यो (एफएआर) की ही अनुमति है। चूंकि 'जैसा है जहां है' के आधार पर कालोनियों का नियमतीकरण किया जा रहा है तो ऐसे में किसी ने 100 गज की इमारत में चार मंजिल के अलावा दो मंजिल और बना रखी है, तो उसे करीब सात से 10 लाख रुपये अतिरिक्त देने होंगे। बाकी खर्चे अलग हैं।

6 माह पहले सीवर लाइन डालने के लिए हुई थी खोदाई, मलबे से नालियां जाम

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में देवली इलाके में पंजाब नेशनल बैंक से नई बस्ती रोड तक सीवर लाइन डालने के लिए सड़क को कई जगहों पर खोदा गया, लेकिन मलबा नहीं हटाया गया है। यह मलबा नालियों में जमा होने से पानी की निकासी रुक गई है।

नाली का पानी मिट्टी के साथ सड़क पर जा रहा है, जिससे जगह-जगह कीचड़ जमा हो गया है। इससे कई बार लोग गिरकर चोटिल हो चुके हैं। लोगों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या का समाधान करने के लिए कई बार अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कोई सुध लेने वाला नहीं है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि जनवरी में दिल्ली जल बोर्ड की तरफ से सीवर लाइन डालने के लिए देवली-नई बस्ती रोड पर खोदाई का काम शुरू हुआ था, जिसे करीब तीन माह बाद रोक दिया गया। सड़क की खोदाई होने से इसकी चौड़ाई कम हो गई है और कई जगहों पर गड्ढे बन गए हैं। यह सड़क के किनारे कई कई अपार्टमेंट्स बने हैं। नई बस्ती के लोग भी इसी सड़क से आवाजाही करते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, 3000 से अधिक लोगों के लिए यही सड़क आवाजाही का जरिया है। ऐसे में सड़क की खोदाई होने के बाद करीब छह माह से लोग परेशान हो रहे हैं। लोगों की मांग है कि मानसून आने से पहले सीवर लाइन डालने का काम पूरा कर सड़क की हालत ठीक की जाए, नहीं तो वर्षा का सिलसिला शुरू होने पर उनकी परेशानी और बढ़ जाएगी। करीब आधा किलोमीटर तक सड़क बदहाल है। कुछ मिनट की बारिश होती है, तो घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है। यही हालात रहे तो सड़क पर बने गड्ढे और उनमें भरा पानी मानसून में हादसों की वजह बनेगा। इसके लिए अधिकारियों से शिकायत की गई है। मुख्य मार्ग बदहाल होने से हम लोग बेहद परेशान हैं। छह महीने से समस्या झेल रहे हैं और विभागों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक को शिकायत दे चुके हैं। हम चाहते हैं कि तत्काल मामले का संज्ञान लिया जाए और सीवर का काम पूरा कर सड़क निर्माण का कार्य किया जाए। सड़क की हालत इतनी खराब है कि बच्चों को घर से बाहर ही नहीं भेज सकते। कई बार टूटी सड़क के चलते राहगीर गिरकर चोटिल हुए हैं। आए दिन वाहन चालक दुर्घटना का शिकार होते हैं। दोपहिया वाहन चालकों का सड़क से गुजरना भी मुश्किल होता है। मानसून में जलभराव के दौरान गड्ढों में पानी भर जाएगा, जिससे सड़क की वास्तविक स्थिति दिखाई नहीं देगी।

शोक में डूबी फिल्म इंडस्ट्री: 35 साल की उम्र में द रिंग से घर-घर हुई मशहूर एक्ट्रेस का निधन

लास एंजिल्स, एजेंसी। हॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आई है। मशहूर अभिनेत्री और वॉइस आर्टिस्टडेवी चेस का 35 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके अचानक निधन की खबर ने फैंस और मनोरंजन जगत को गहरे सदमे में डाल दिया है। सोशल मीडिया पर हजारों प्रशंसक उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं और उनकी यादों को साझा कर रहे हैं। डेवी चेज अपनी हॉरर फिल्म द रिंग से घर-घर मशहूर हुईं। आज भी एक्ट्रेस को 'द रिंग' के नाम से ही जाना जाता है। एक्ट्रेस के निधन की खबर सुनकर उनके फैंस शोक्ड में है।

बचपन से ही टेलेंटड थी एक्ट्रेस

डेवी चेस उन कलाकारों में शामिल थीं जिन्होंने बहुत कम उम्र में मनोरंजन जगत में कदम रखा था। चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में उन्होंने अपनी पहचान बनाई और बाद में हॉलीवुड में एक जाना-पहचाना नाम बन गईं। उनकी सबसे चर्चित फिल्मों में हॉरर फिल्म द रिंग शामिल है, जिसमें उनके किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। इसके अलावा उन्होंने एनिमेटेड फिल्म में मुख्य किरदार लिलो को अपनी आवाज देकर भी लोकप्रियता हासिल की थी।

एक्टिंग के साथ वॉइस आर्टिस्ट के रूप में भी बनाई पहचान

साल 2000 के दशक में डेवी चेस को हॉलीवुड की सबसे प्रतिभाशाली युवा कलाकारों में गिना जाता था। वह सिर्फ अभिनय ही नहीं बल्कि अपनी दमदार आवाज के लिए भी मशहूर थीं। उनके कई प्रोजेक्ट्स आज भी दर्शकों के बीच याद किए जाते हैं। अपने सफल करियर के बावजूद डेवी चेस ने धीरे-धीरे फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी निजी जिंदगी कुछ कानूनी विवादों और अन्य समस्याओं में उलझ गई थी। इसी दौरान उनका मनोरंजन जगत में काम भी कम होता चला गया। लंबे समय तक स्क्रीन से दूर रहने के बाद डेवी चेस ने साल 2016 में रिलीज हुई हॉरर फिल्म में काम किया था। यही फिल्म उनके करियर की आखिरी बड़ी फिल्म साबित हुई। इसके बाद वह किसी बड़े प्रोजेक्ट में नजर नहीं आईं। डेवी चेस के निधन की खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर शोक संदेशों की बाढ़ आ गई।

ब्रिटेन में 100 साल पुराने भारतीय रेस्तरां पर बेदखली का खतरा, बचाने के लिए भारत से दखल की अपील

लंदन एजेंसी। दुनिया के सबसे पुराने भारतीय रेस्टोरेंट में से एक वीरस्वामी ने भारत सरकार से अपील की है कि वह लंदन में उसकी मशहूर जगह से उसे जबरन हटाए जाने के मामले में दखल

दे। इस जगह पर कभी महात्मा गांधी का स्वागत किया गया था। इस रेस्टोरेंट ने हाल ही में 100 साल पूरे किए हैं। अब महीने के आखिर में इसकी लीज को लेकर कानूनी लड़ाई होने वाली है। बिल्डिंग के मालिक क्राउन एस्टेट का कहना है कि बड़े पैमाने पर मरम्मत की जरूरत के कारण वे इस ऐतिहासिक रेस्टोरेंट की लीज को रिन्यू नहीं कर सकते। वीरस्वामी की मालिक कंपनी एमडब्ल्यू ईट के रंजीत मथरानी ने कहा, इतनी देर हो जाने के बाद भी, हम भारत सरकार से गुजारिश करेंगे कि वह भारतीय व्यंजन, जो ब्रिटेन में देश की साफ्ट पावर है, के लिए दखल देने पर विचार करे। मथरानी ने कहा, आखिरकार, वीरस्वामी भारत से बाहर गई पाक-कला की विशेषज्ञता का एक शानदार उदाहरण है।

पाकिस्तान फिर हुआ बेनकाब: गुरुद्वारे में सिख दंपति की हत्या पर आर.पी. सिंह का तीखा बयान

इस्लामाबाद, एजेंसी। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आर. पी. सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक गुरुद्वारे के भीतर सिख सेवादार जगन्नाथ और उनकी पत्नी असमा वंती की हत्या की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं है, बल्कि पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार बनी हुई असुरक्षा, भय और उत्पीड़न की स्थिति को एक बार फिर उजागर करती है। उनके अनुसार, पूजा स्थल शांति और श्रद्धा का केंद्र होते हैं, लेकिन वहां हुई यह हिंसक घटना बेहद चिंताजनक है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान में सिख, हिंदू, ईसाई और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हमले बार-बार सामने आते रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। तमाम आश्वासनों के बावजूद, वहां का तंत्र अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और उनके अधिकारों की प्रभावी रूप से रक्षा करने में असफल रहा है। आर. पी. सिंह ने इस घटना के दोषियों की तत्काल पहचान कर उन्हें कानून के दायरे में लाने की मांग की और पाकिस्तान सरकार से इस मामले पर स्पष्ट जवाब देने तथा अल्पसंख्यक समुदायों और उनके धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने की अपेक्षा जताई।

वो लकजरी विला जिसे देखने दुनिया भर से आते हैं रईस, 32 कमरे और आलीशान पूल

बीजिंग, एजेंसी। खूबसूरत वादियों, शांत समंदर या किसी खूबसूरत आइलैंड (द्वीप) पर अपना एक आलीशान घर होना हर किसी का सपना होता है। जरा सोचिए, एक ऐसा घर जो चारों तरफ से नीले पानी और पहाड़ों से घिरा हो, जिसमें तैरने के लिए एक शानदार इनफिनिटी पूल हो और अंदर कदम रखते ही सात सितारा होटल जैसी लक्जरी का अहसास हो। चीन के सूझोउ शहर में स्थित एक ऐसा ही आलीशान महलनुमा घर इस समय पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। यह चीन का अब तक का सबसे महंगा घर है जिसकी भव्यता और कीमत सुनकर अच्छे-अच्छों के होश उड़ जाते हैं।

क्या है इस महल का नाम और कहां है स्थित?

इस आलीशान विला को ताओहुआयुआन नाम दिया गया है। चीनी भाषा में इसका मतलब होता है यूटोपिया यानी एक ऐसी आदर्श और शांत दुनिया जहां सिर्फ सुख और शांति हो। यह घर

चीन की मशहूर दुशु झील के ठीक बीच में बने एक बेहद खूबसूरत प्राइवेट आइलैंड (निजी द्वीप) पर स्थित है। इस घर की सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इसका असली मालिक कौन है यह आज तक कोई नहीं जानता। इस आलीशान प्रॉपर्टी का मालिकाना हक पूरी तरह से गुप्त (गुमनाम) रखा गया है जो इसे और ज्यादा रहस्यमयी बनाता है।

10 घंटे चला ऑपरेशन, महिला के पेट में था 14.5 केजी का ट्यूमर

नई दिल्ली, एजेंसी। नर्सिंग अधिकारी दिल्ली निवासी 55 वर्षीय महिला के पेट में था 14.5 किलोग्राम वजनी फुटबाल से भी बड़ा दुर्लभ कैंसरग्रस्त ट्यूमर, फोर्टिस एस्कार्ट्स के चिकित्सकों ने सफल ऑपरेशन से निकालकर न सिर्फ उसकी जान बचाई बल्कि ट्यूमर की चपेट में आए अन्य अंगों को भी बचाया।

करीब 10 घंटे चले ऑपरेशन के बाद महिला स्वस्थ है और बिना किसी दिक्कत-परेशानी के अपना काम कर रही है। अस्पताल का दावा है कि यह भारत में अब तक कैंसरग्रस्त निकाले गए एब्डामिनल ट्यूमर से एक है।

कई महत्वपूर्ण अंगों को अपनी चपेट में ले लिया

फोर्टिस एस्कार्ट्स ओखला में बुधवार को आयोजित पत्रकारवार्ता में अस्पताल के सर्जिकल आंकोलाजी विभाग के निदेशक एवं प्रमुख डॉ. अर्चित पंडित ने बताया कि ट्यूमर का आकार एक बड़े फुटबाल से भी अधिक था और उसने पेट के भीतर कई महत्वपूर्ण अंगों को अपनी चपेट में ले लिया था।

ट्यूमर बाई किडनी पर पूरी तरह फैल चुका था, इसलिए उसे बचाया नहीं जा सका और किडनी निकालनी पड़ी। हालांकि, लीवर सहित अन्य सभी प्रमुख अंगों को सुरक्षित बचाने में टीम सफल रही।

भोजन करने में परेशानी होने

लगी पत्रकारवार्ता में उपस्थित दिल्ली स्थित केंद्र सरकार के अस्पताल में नर्सिंग अधिकारी तैनात मरीज कुलदीप कौर ने बताया कि शुरू में उन्हें लगा कि उनका वजन बढ़ रहा है। करीब डेढ़ वर्ष पहले कराए गए अल्ट्रासाउंड में कोई गंभीर असामान्यता सामने नहीं आई थी। लेकिन समय के साथ पेट का आकार बढ़ता गया और उन्हें भोजन करने में परेशानी होने लगी।

इसके बाद विस्तृत जांच कराई गई, जिसमें पेट में तेजी से बढ़ रहे ट्यूमर का पता चला। डॉ. अर्चित पंडित की टीम में शामिल सर्जिकल आंकोलाजी (जीआई). डा. कुशल बैरोलिया और डा. विनीत गोयल ने बताया कि अगय समय पर स्थिति बेहद जटिल थी और आपरेशन नहीं किया जाता तो मरीज की जान को गंभीर खतरा हो सकता था। मरीज कुलदीप कौर ने बताया कि उन्होंने एम्स में भी दिखाया था पर, वहां के चिकित्सकों ने आपरेशन करने से मना कर दिया था, जबकि इसका एकमात्र उपचार आपरेशन ही था। चिकित्सकों ने कहाकि यह मामला न केवल जटिल कैंसर सर्जरी का उदाहरण है, बल्कि बहु-विषयक चिकित्सा टीम के समन्वय और विशेषज्ञता का भी प्रमाण है।

जल बोर्ड के दावों की खुली पोल, 3 दिन में एक बार आता है पानी, वह भी काला और बदबूदार

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के बिंदापुर गांव इन दिनों पानी की गंभीर किल्लत और दूषित जलापूर्ति की दोहरी मार झेल रहा है। गांव के लोग पिछले 15 दिनों से नलों से आ रहे बदबूदार और गंदे पानी से बेहद परेशान हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जल बोर्ड की अनदेखी के कारण उन्हें रोजमर्रा की जरूरतों के लिए बूंद-बूंद पानी को तरसना पड़ रहा है, और जो पानी आ भी रहा है, वह बीमारियों को न्योता दे रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, गांव में पानी की आपूर्ति का कोई निश्चित समय नहीं है। तीन दिन में बमुश्किल एक बार पानी आता है, लेकिन उसका रंग और गंध ऐसी होती है कि उसे छूना भी दूभर है। ग्रामीणों को शक है कि दोनों लाइनें कहीं न कहीं आपस में मिल रही हैं। गांव के प्रदीप बताते हैं कि पानी की पाइपलाइन महज 6 साल पुरानी है और सीवर लाइन को बिछे भी अभी 10 साल ही हुए हैं। तकनीक के इस दौर में इतनी नई लाइनें होने के बावजूद पानी गंदा आ रहा है। साफ है कि जमीन के नीचे ये दोनों लाइनें आपस में कहीं न कहीं मिक्स हो रही हैं, जिसे ढूंढने में विभाग नाकाम रहा है। गांव के रतिभान अहलावत बताते हैं कि दूषित पानी के कारण घरों में लगे वाटर प्यूरीफायर भी जवाब दे रहे हैं। ऐसे में लोगों के सामने सेहत बचाने के लिए बाजार से पानी खरीदने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए हर दिन पीने का पानी खरीदना भारी आर्थिक बोझ बन गया है।

संपादकीय | अमेरिकी दबाव के बीच भारत का नया दांव

अमेरिका की ओर से शुल्क लगाए जाने और उसके बाद पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे संकट के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए विकल्प तलाशने तथा पहले से स्थापित साझेदारी को विस्तार देने को लेकर भारत के प्रयास सही दिशा में आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं। इस क्रम में अब भारत, फ्रांस और स्लोवाकिया के बीच आपसी संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर पर ले जाने की सहमति बनी है।

फ्रांस के साथ द्विपक्षीय व्यापार को पांच वर्षों में दोगुना कर 32 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा रेल सेवा क्षेत्र में सहयोग के लिए एक घोषणा-पत्र और गोपनीय डेटा की सुरक्षा के लिए समझौते को भी अंतिम रूप दिया गया है। इसी तरह स्लोवाकिया से द्विपक्षीय व्यापार और रक्षा सहयोग समेत कई महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में साझेदारी के लिए ग्यारह समझौते किए गए हैं। ये समझौते इसलिए अहम माने जा रहे हैं, क्योंकि इससे अमेरिका के विकल्प के रूप में भारत की पहुंच अन्य विदेशी बाजारों तक बढ़ेगी। साथ ही इससे 'मेक इन इंडिया' अभियान को भी गति मिलेगी, जो देश के आत्मनिर्भर होने के लिए बेहद जरूरी है।

गौरतलब है कि अमेरिका ने पिछले वर्ष भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाया था, जिसका सीधा असर देश के निर्यात पर पड़ा था। हालांकि, बाद में अमेरिका ने इस शुल्क को कम कर दिया था, लेकिन भारत ने इसे एक सबक की तरह लिया और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए दुनिया के दूसरे बाजारों तक पहुंच बढ़ाने के प्रयास शुरू किए। ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते इन्हीं प्रयासों का नतीजा हैं।

अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस और स्लोवाकिया दौरे के दौरान इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए दोनों देशों के साथ साझेदारी को विस्तार देने का प्रयास किया है। फ्रांस के साथ तेरह मुद्दों पर सहमति बनी है, जिनमें रक्षा, सुरक्षा, अंतरिक्ष, असैन्य परमाणु ऊर्जा, व्यापार एवं निवेश, तकनीक, नवाचार और शिक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग शामिल हैं। इस दौरान फ्रांस से 114 रफाल लड़ाकू विमान खरीदने की भारत की योजना पर भी चर्चा हुई। खास बात यह है कि भारत ने किसी भी रक्षा मंच के मामले में इस आधार पर आगे बढ़ने पर जोर दिया, जिसमें देश की अधिक से अधिक स्थानीय सामग्री का इस्तेमाल हो और रक्षा उत्पादों का विनिर्माण भी देश की धरती पर हो। इसी तरह भारत और स्लोवाकिया ने डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं रक्षा जैसे कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए ग्यारह समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। साथ ही दोनों देशों ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को जल्द लागू करने की दिशा में काम करने पर भी सहमति जताई है। इस व्यापक साझेदारी का उद्देश्य न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है, बल्कि मौजूदा बहुपक्षीय स्तर पर भी सहयोग को और प्रगाढ़ करने के नए रास्ते तलाशना है।

इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका की ओर से जिस तरह के मनमाने फैसले दूसरे देशों पर थोपे जा रहे हैं, उससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। अमेरिका की शुल्क नीति से भारत जैसे विकासशील देश सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण पैदा हुए संकट के पीछे अमेरिका की अहम भूमिका रही है। ऐसे में भारत के लिए व्यापार के वैकल्पिक बाजार तलाशना बेहद जरूरी है, ताकि देश की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका की मनमानी नीतियों का प्रभाव कम किया जा सके।

टेलीग्राम पर रोक से रुकेगा पेपर लीक लेकिन जड़ पर कब होगी चोट?

राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी-2026) की शुचिता बनाए रखने के लिए सरकार की ओर से जिस तरह के उपायों पर जोर दिया जा रहा है, अब उन्हीं पर सवाल उठने लगे हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की सिफारिश पर केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मंगलवार को संवाद ऐप 'टेलीग्राम' पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया। एनटीए का कहना है कि यह निर्णय इस ऐप की उस तकनीकी सुविधा को ध्यान में रखकर किया गया है, जिसका इस्तेमाल राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्र लीक के फर्जी साक्ष्य गढ़ने के लिए किया जाता है। मगर क्या सरकार के इस कदम से यह पूरी तरह सुनिश्चित हो पाएगा कि प्रश्नपत्र लीक नहीं होगा? तकनीक के इस दौर में क्या कोई इसी तरह के दूसरे ऐप का इस्तेमाल नहीं कर सकता? जाहिर है कि ऐसे सतही उपाय इस

समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकते हैं। सरकार ने 'टेलीग्राम' पर नीट यूजी की पुनः परीक्षा होने तक इसलिए रोक लगा दी, क्योंकि इसका इस्तेमाल प्रश्नपत्र लीक के फर्जी साक्ष्य गढ़ने के लिए किया जा रहा है। मगर इसकी मूल जड़ तो वहां है, जहां से प्रश्नपत्र लीक होता है। विचित्र बात है कि प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर उसके परिवहन तक की व्यवस्था को पुख्ता करने का दावा किया जा रहा है, लेकिन परीक्षा संचालन से जुड़े लोगों की जवाबदेही पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यह बात सही है कि किसी संवाद ऐप पर भ्रामक जानकारियां फैलाने से परीक्षार्थियों के मनोबल पर असर पड़ सकता है, लेकिन क्या इस तरह के ऐप पर प्रतिबंध लगा देने से समस्या का स्थायी समाधान निकल पाएगा? ऐसे तो सोशल मीडिया से जुड़े कई मंच हैं, जिन्हें इस तरह की अफवाह फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि 'टेलीग्राम' पर पाबंदी से लाखों ऐसे नागरिक भी प्रभावित होंगे, जो इसका इस्तेमाल वैध तरीके से निजी, शैक्षणिक और पेशेवर जानकारी से जुड़े कामों के लिए करते हैं। ऐसे में जरूरी है कि सरकार परीक्षा में गड़बड़ी को रोकने के लिए स्थायी समाधान खोजने की दिशा में कदम उठाए।

आज का कार्टून

सार्वजनिक जीवन में विश्वास की पूंजी...

ममता सरकार के डेढ़ दशक के शासन के दौरान राजनीतिक दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं की हत्या व अपहरण, पोलिंग एजेंटों की पिटाई, बमबाजी, गोलीबारी, बूथों में तोड़फोड़, वोटों की लूट, प्रत्याशियों व उनके परिवार के सदस्यों को धमकियां, ये सब बंगाल में आम बातें हो चुकीं थीं। भाजपा के अपने अनुमानों के अनुसार, 2021 में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हुई हिंसा में टीएमसी के गुंडों ने 300 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या की थी। तत्कालीन राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कानून व व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा था कि, राज्य में लोकतंत्र सांस नहीं ले पा रहा है। मुख्यमंत्री और प्रशासन मूक दर्शक बने हुए हैं। दूसरी घटना 10 जून को घटित हुई। इस दिन नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में 4,399 दिन पूरे किए, जो देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में पूरे किए गए 4,398 दिन के कार्यकाल से ज्यादा है।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

विश्वास और भरोसा ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। सार्वजनिक जीवन में जन विश्वास गंवाने वाला व्यक्ति किसी योग्य नहीं रह जाता। हाल ही में भारतीय राजनीति में जन विश्वास से जुड़ी दो अहम घटनाएं घटित हुई। पहली घटना में एक नेता ने जन विश्वास की पूंजी खो दिया। वहीं दूसरी घटना में नेता ने जन विश्वास की पूंजी को सहेजा ही नहीं, बल्कि हर बीतते दिन के साथ उसमें वृद्धि भी की।

पहली घटना 4 मई की है। इस दिन जन विश्वास खो चुकी तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। तृणमूल और ममता से नाराजगी का आलम यह था कि स्वयं ममता बनर्जी अपनी सीट हार गई। आज ममता बनर्जी और उनकी पार्टी की जो दुर्दशा हो रही है, उसकी जिम्मेदार कोई दूसरा नहीं बल्कि वह स्वयं और उनके कर्म ही हैं।

तृणमूल कांग्रेस के विधायक और सांसद अपना अलग गुट बना चुके हैं। स्वतंत्र भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण मिलना मुश्किल है, जब किसी राजनीतिक दल का इतनी तेजी से विघटन हुआ हो। या किसी नेता की तथाकथित साख चुनाव हारने के चंद दिनों में ही औंधे मुंह गिरी हो। सत्ता गंवाने के बाद ममता बनर्जी को मंदिर जाने की याद आई। कालीबाड़ी दर्शन करने पहुंची ममता बनर्जी को लोगों ने पूरी तरह अनदेखा किया। डेढ दशक तक सूबे का मुख्यमंत्री रहने वाले नेता की जनता इस हद तक उपेक्षा करे, तो यह सिर्फ चुनावी हार नहीं, जनविश्वास के टूटने का संकेत होता है।

तृणमूल कांग्रेस के कुशासन से आजिज जनता आज उसके नेताओं का अंडे, टमाटर, जूते और मार कुटाई से सत्कार कर रही है। तृणमूल के नेताओं को देखकर चोर-चोर के नारे लगाए जा रहे हैं। ये वो लोग है जो पिछले 15 वर्षों से तृणमूल नेताओं की तानाशाही, गुण्डागर्दी और अत्याचार चुपचाप सह रहे थे। तृणमूल नेताओं के प्रति जनता का व्यवहार उनके स्वाभाविक क्रोध, कुंठा, निराशा और हताशा का परिणाम है।

ममता सरकार के डेढ़ दशक के शासन के दौरान राजनीतिक दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं की हत्या व अपहरण, पोलिंग एजेंटों की पिटाई, बमबाजी, गोलीबारी, बूथों में तोड़फोड़, वोटों की लूट, प्रत्याशियों व उनके परिवार के सदस्यों को धमकियां, ये सब बंगाल में आम बातें हो चुकीं थीं। भाजपा के अपने अनुमानों के अनुसार, 2021 में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हुई हिंसा में टीएमसी के गुंडों ने 300 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या की थी। तत्कालीन राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कानून व व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा था कि, राज्य में लोकतंत्र सांस नहीं ले पा रहा है। मुख्यमंत्री और प्रशासन मूक दर्शक बने हुए हैं।

दूसरी घटना 10 जून को घटित हुई। इस दिन नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में 4,399 दिन पूरे किए, जो देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में पूरे किए गए 4,398 दिन के कार्यकाल से ज्यादा है। इस तरह जनविश्वास, सुशासन और राष्ट्रहित के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक बनकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। यह सिर्फ रिकॉर्ड नहीं, 140 करोड़ भारतीयों के अटूट विश्वास की जीत है।

2014 में देश ने उत्साह और अटूट विश्वास के साथ नरेंद्र मोदी को अपना प्रधानमंत्री चुना था, लेकिन उन्होंने स्वयं को हमेशा एक प्रधानसेवक माना। इसी रूप में वे

अपना राष्ट्रधर्म निभाते हुए विकसित भारत के निर्माण में जुटे हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के संकल्प के साथ उन्होंने समाज के हर वर्ग का विश्वास जीता है। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार की अनेक कल्याणकारी योजनाओं ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को अधिकार, सम्मान और आत्मनिर्भरता का एहसास कराया है। विपक्ष के लगातार मिथ्या प्रचार, व्यक्तिगत हमलों, यहां तक की अपशब्द देने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी अहर्निशं जनसेवा में जुटे हैं। देश की जनता उन पर भरोसा करती है, जनता को विश्वास है मोदी के रहते उनका अहित नहीं होगा। इसलिए वो लगातार तीसरी बार उन्हें प्रधानमंत्री की कुर्सी सहर्ष सौंपती है।

जब विश्वास टूटता है तो बड़े से बड़े नेता और व्यक्ति अर्श से फर्श पर आ जाता है। भारतीय राजनीति में इंदिरा गांधी का बड़ा कद था। लेकिन अपनी सत्ता बचाने के लिए 1975 को इमरजेंसी लगाने के बाद जनता का विश्वास इंदिरा गांधी से टूट गया। 1977 के आम चुनाव में कांग्रेस को ऐतिहासिक हार का मुंह देखना पड़ा। इंदिरा का घमंड चूर चूर हो गया, और देश में आजादी के बाद पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार का गठन हुआ।

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी, उड़ीसा में बीजू जनता दल, दिल्ली में आम आदमी पार्टी तमाम ऐसे उदाहरण ऐसे हैं, जब जनता ने इन दलों पर विश्वास करके सत्ता के सिंहासन पर बैठाया। लेकिन जब ये नेता विश्वास और उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे तो, जनता ने इन्हें इनको आसमान से जमीन पर पटकने में देरी नहीं की। तमिलनाडु में विश्वास ही तो खत्म हुआ होगा, तभी तो वहां की जनता ने सत्तारूढ़ डीएमके को हटाकर अभिनेता चंद्रशेखरन जोसेफ विजय की नयी नवेली पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम यानी टीवीके को सत्ता की कुंजी सौंप दी।

वहीं कई ऐसे उदाहरण भी हैं, जहां विश्वास के चलते जनता ने बार बार जीत का आशीष दिया। गुजरात में बीते 31 और मध्य प्रदेश 21 साल से भाजपा की सरकार है। इतने लंबे समय तक विश्वास और सेवा किये बिना कोई नेता या दल सत्ता या लोगों के दिलों में नहीं रह सकता। किसी जमाने में हरियाणा में भाजपा कोई बड़ी शक्ति नहीं थी। बामुश्किल उसके दो या तीन विधायक ही जीतते थे। लेकिन विश्वास और जनसेवा की बदौलत ही पिछले 12 वर्षों से हरियाणा में भाजपा की सरकार सत्ता में है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में मिथक था कि यहां कोई सरकार दोबारा रिपीट नहीं करती। 2017 में भाजपा को पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने कृतित्व एवं व्यक्तित्व से सरकार और शासन के प्रति जनता के विश्वास को लगातार बढ़ाने का काम किया। नतीजा उत्तर प्रदेश की राजनीति में 37 साल पुराना यह मिथक 2022 के विधानसभा चुनाव में टूट गया। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा ने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में भाजपा सरकार पिछले नौ साल से लगातार जनसेवा में जुटी है।

जीवन की सबसे बड़ी पूंजी पद नहीं, बल्कि विश्वास होता है। यह विश्वास किसी नेता, राजनीतिक दल या किसी व्यक्ति की सबसे बड़ी पूंजी है। यह विश्वास बना रहना ही चाहिए। और जिस दिन यह विश्वास टूटता है, उस दिन नतीजे वैसे ही होते हैं, जैसे 4 मई को पश्चिम बंगाल में ईवीएम से निकले। हारने वाला कुंठा, निराशा और हताशा में भले ही इसे वोट की लूट बताता रहे, लेकिन ये वोट की नहीं बल्कि दिल की लूट होती है। इसलिए व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन में विश्वास बनाए रखें।

क्या खड़गे से नाराज है राहुल गांधी...?

राहुल गांधी तमिलनाडु चुनाव में खड़गे के सही फ़ैसले न लेने से खास तौर पर नाराज़ हैं। खड़गे ने पी चिदंबरम के साथ मिलकर इस बात पर ज़ोर दिया कि कांग्रेस द्रमुक के साथ अपना पुराना गठबंधन न तोड़े। हालांकि राहुल गांधी फिल्म स्टार और अब मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के साथ चुनावी गठबंधन के लिए उत्सुक थे। कांग्रेस ने नतीजों के बाद ही द्रमुक का साथ छोड़ा। उसने द्रमुक गठबंधन के साथ सिर्फ़ पांच सीटें जीतीं। अगर खड़गे अध्यक्ष का पद छोड़ते हैं, तो उनकी जगह केसी वेणुगोपाल को लेना साफ़ है, जो पहले से ही पार्टी के संगठन महासचिव हैं और राहुल उनकी बात भी मानते हैं।

कूमी कपूर

केरल के मुख्यमंत्री के तौर पर वीडी सतीशन को नियुक्त करने में कांग्रेस ने बहुत ज़्यादा देरी की। अब पार्टी का सारा ध्यान 83 साल के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर आ गया है। कुछ लोगों की शिकायत है कि मल्लिकार्जुन खड़गे अपने ज़्यादा काम की वजह से थोड़े बोझ बनते जा रहे हैं। साथ ही खड़गे एक आदमी, एक पद के नियम को तोड़ रहे हैं। वह पार्टी अध्यक्ष होने के अलावा राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी हैं और इस पद के साथ मिलने वाले फ़ायदों का मज़ा ले रहे हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे को हाल ही में कर्नाटक में नई डी के शिवकुमार सरकार में गृह मंत्री बनाया गया है। आने वाले राज्यसभा चुनावों के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे ने झारखंड से अपने करीबी प्रणव झा को कांग्रेस उम्मीदवार चुना है, जबकि कई और काबिल उम्मीदवार थे।

इससे पहले खड़गे के खास नीरज डांगी को राजस्थान से राज्यसभा का टिकट मिला था। राहुल गांधी तमिलनाडु चुनाव में खड़गे के सही फ़ैसले न लेने से खास तौर पर नाराज़ हैं। खड़गे ने पी चिदंबरम के साथ मिलकर इस बात पर ज़ोर दिया कि कांग्रेस द्रमुक के साथ अपना पुराना गठबंधन न तोड़े। हालांकि राहुल गांधी फिल्म स्टार और अब मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के साथ चुनावी गठबंधन के लिए उत्सुक थे। कांग्रेस ने नतीजों के बाद ही द्रमुक का साथ छोड़ा। उसने द्रमुक गठबंधन के साथ सिर्फ़ पांच सीटें जीतीं। अगर खड़गे अध्यक्ष का पद छोड़ते हैं, तो उनकी जगह केसी वेणुगोपाल को लेना साफ़ है, जो पहले से ही पार्टी के संगठन महासचिव हैं और राहुल उनकी बात भी मानते हैं।

पिछले महीने सेवा तीर्थ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनके कैबिनेट मंत्रियों और संबंधित सेक्रेटरी के बीच साढ़े चार घंटे की मैराथन मीटिंग सिर्फ़ अलग-अलग मिनिस्ट्री के परफॉर्मेंस का असेसमेंट नहीं थी बल्कि यह एंड्योरेंस और फिजिकल फिटनेस का भी एक टेस्ट था। एक मंत्री जो ऊंघने की वजह से टेस्ट में फेल हो गए थे, उन्हें एक सीनियर सेक्रेटरी ने जगाया।

पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजों के अगले दिन ममता बनर्जी को लगा कि उनकी दुनिया उलट-पुलट हो गई है। रात में कोलकाता में बनर्जी की सभी तस्वीरें हटा दी गईं और उनकी जगह शुभेंदु अधिकारी के पोस्टर चिपका दिए गए। उन्हें पता चला कि उनके कई भरोसेमंद विधायक बीजेपी में शामिल होने की प्लानिंग कर रहे हैं। अलग-थलग पड़ने के बावजूद ममता बनर्जी में लड़ने का जज़्बा बना हुआ है

और उन्हें लगता है कि इस समय, बंगाल में रहने से बेहतर दिल्ली जाना होगा। वह एक सेफ लोकसभा सीट की तलाश में हैं। राज्यसभा टिकट कोई ऑप्शन नहीं है क्योंकि अगर कोई टीएमसी सांसद उनके लिए सीट छोड़ भी देता है, तो उपचुनाव अपने आप बीजेपी के हक में हो जाएगा।

शुरुआती अंदाज़ा था कि क्रिकेटर यूसुफ पठान दीदी के लिए अपनी बहरामपुर लोकसभा सीट छोड़ सकते हैं, लेकिन वह बागी हो गए हैं। अब ममता बनर्जी ने बशीरहाट लोकसभा सीट पर ध्यान दिया है, जहां उपचुनाव होने हैं और वोटरों का रुझान टीएमसी के पक्ष में है। ममता बनर्जी ने पहले भी अपनी राजनीतिक विरासत बनाने के लिए अकेले ही लड़ाई लड़ी है।

1999 और 2001 के बीच, वह लोकसभा में अकेली टीएमसीसदस्य थीं। पुराने संसदीय जानकार याद करते हैं कि उन्होंने एक बार गुस्से में एक कागज़ (जिसके बारे में उन्होंने दावा किया था कि वह एक गलत वोटर लिस्ट है) एक्टिंग स्पीकर पर फेंक दिया था। मज़े की बात यह है कि उन्होंने आरोप लगाया कि वोटर लिस्ट बांग्लादेश से आए घुसपैठियों से भरी हुई है, जबकि हाल ही में बंगाल चुनाव में, उन्होंने इसी मुद्दे पर बीजेपी के खिलाफ बिल्कुल उल्टा रुख अपनाया।

पिछले बुधवार को केंद्र और राज्यों के मंत्रियों का एक ग्रुप प्रधानमंत्री मोदी के लिए प्रार्थना करने मंदिरों में गया था। सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित भारत के प्रधानमंत्री रहने की उनकी प्रार्थना के लिए नेताओं का ग्रुप मंदिर गया था। मोदी की कामयाबियों की तारीफ़ करते हुए आरएसएस के वरिष्ठों ने बीजेपी को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डी के बरूआ की नकल करने के खिलाफ़ चेतावनी दी, जिन्होंने अपनी मशहूर टिप्पणी 'इंडिया इज़ इंदिरा' के साथ इंदिरा गांधी को भगवान बताया था। हालांकि आरएसएस आम तौर पर राजनीतिक फ़ैसलों में दखल नहीं देता है, लेकिन उसे भाजपा और डीएमके के बीच संभावित गठजोड़ को लेकर शक है। डीएमके एक ऐसी पार्टी है जिसने अपनी सनातन विरोधी भावनाओं को कभी नहीं छिपाया है।

जो लोग 2011 में मनमोहन सिंह की सरकार में भ्रष्टाचार के खिलाफ़ अन्ना हज़ारे और अरविंद केजरीवाल के कैंपेन की रातों-रात सफलता की तरह, जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के लिए युवाओं का तुरंत समर्थन इकट्ठा होने की उम्मीद कर रहे थे, वे भूल जाते हैं कि केजरीवाल को शुरुआती भीड़ का समर्थन कुछ हद तक आरएसएस के कैडर और एक्टिविस्ट ने दिया था जो कई दिनों से वहां डेरा डाले हुए थे। सोशल मीडिया पर ज़बरदस्त संख्या को भी ज़मीन पर उतरने में समय और मेहनत लगती है।

धोनी से आगे निकले रोहित

● सचिन, युवराज, सहवाग इस नंबर पर; लिस्ट-ए में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-11 भारतीय

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान व ओपनर बैटर रोहित शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में 39 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली और लिस्ट ए क्रिकेट में अपने 14 हजार रन पूरे किए। यही नहीं लिस्ट ए क्रिकेट में वो सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में एमएस धोनी से आगे हैं।

रोहित शर्मा के लिस्ट ए क्रिकेट में अब 345 पारियों में 14,038 रन हो गए हैं और वो एमएस से इस लिस्ट में आगे हैं जिनके लिस्ट ए क्रिकेट में 365 पारियों में 13,353 रन थे। लिस्ट ए क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम पर दर्ज है जिन्होंने 538 पारियों में 21,999 रन बनाए थे जबकि विराट कोहली 334 पारियों में 16,447 रन बना चुके हैं और वो दूसरे स्थान पर मौजूद हैं।

लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बैटर्स में पूर्व कप्तान सौरव गांगुली तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने 421 पारियों में 15,622 रन बनाए थे जबकि राहुल द्रविड़ ने 416 पारियों में 15,271 रन बनाए थे और वो सूची में चौथे नंबर पर हैं जबकि रोहित शर्मा पांचवें तो धोनी छठे स्थान पर हैं। युवराज सिंह इस लिस्ट में 8वें नंबर पर हैं जिन्होंने लिस्ट ए में खेले 389 मैचों में कुल 12,663 रन बनाए थे जबकि वीरेंद्र सहवाग 10वें नंबर पर हैं जिन्होंने 321 पारियों में कुल 10,454 रन बनाए थे। शिखर धवन 9वें तो गौतम गंभीर 11वें स्थान पर हैं।

कांगो की मजबूत डिफेंस के आगे

बेबस दिखे रोनाल्डो

पुर्तगाल को नहीं मिल पाई जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-K के मुकाबले में पुर्तगाल को कांगो के खिलाफ ड्रॉ खेलना पड़ा और ये टीम जीत के साथ इस सीजन की शुरुआत नहीं कर पाई। एक तरफ जहां मेसी ने अपने पहले मुकाबले में 3 गोल दागे तो वहीं दुनिया के दिग्गज फुटबॉल प्लेयर क्रिस्टियानो रोनाल्डो कांगो के मजबूत डिफेंस को नहीं भेद पाए और अपनी टीम के लिए एक भी गोल नहीं कर पाए। कांगो और पुर्तगाल के बीच खेला गया मैच 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इस ड्रॉ के बाद दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा।

रोमांचक रहा कांगो बनाम पुर्तगाल मुकाबला- कांगो और पुर्तगाल के बीच का मैच ह्यूस्टन स्टेडियम में खेला गया था जिसमें पुर्तगाल ने शुरू से ही अपना दबदबा बनाया और छठे मिनट में ही इस टीम के लिए पहला गोल जोआओ नेवेस ने दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। नेवेस ने पेड्रो नेटो के शानदार क्रॉस पर बेहतरीन हेडर लगाते हुए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाने का काम किया। 0-1 से पिछड़ने के बाद कांगो ने पूरा जोर लगाया, लेकिन पहले हाफ के आखिरी समय तक ये टीम कोई गोल नहीं कर पाई, लेकिन पहले हाफ के एक्स्ट्रा टाइम में आर्थर मासुआकू के सटीक क्रॉस पर योआने विस्सा ने दमदार हेडर लगाकर इतिहास रच दिया और गोल करते हुए टीम को 1-1 की बराबरी पर ला दिया।

घाना ने पनामा को 1-0 से हराया

कालेब यिरेंकी बने जीत के नायक

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत घाना ने जीत के साथ की है। ग्रुप एल के मुकाबले में घाना ने कालेब यिरेंकी के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की बदौलत पनामा को 1–0 से मात दी। मैच की शुरुआत में पनामा ने अच्छा खेल दिखाया। आमिर मुरिलो के लो क्रॉस पर सेसिलियो वाटरमैन को गोल का मौका मिला, लेकिन घाना के गोलकीपर बेंजामिन असारे ने डाइव लगाते हुए शानदार बचाव किया। इसके बाद पनामा को एक और मौका मिला, जब असारे का खराब पंच सीधे जियोवानी रामोस के पास गिरा, लेकिन वह भी इसे गोल में तब्दील नहीं सके। घाना ने भी जवाबी हमले किए और दूसरे हाफ में दोनों टीमों की तरफ से आक्रामक खेल देखने को मिला। क्रिस्टियन मार्टिनेज ने एक ढीली गेंद पर शॉट लगाने की कोशिश की, लेकिन उनका प्रयास साइड नेटिंग में चला गया और टीम बढ़त नहीं ले सकी।

ऑस्ट्रिया ने जीत के साथ किया आगाज, जॉर्डन को 3-1 से हराया

सांता क्लारा। फीफा वर्ल्ड कप में 28 साल में अपना पहला मैच खेलने उतरी ऑस्ट्रिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जॉर्डन को रोमांचक मुकाबले में 3–1 से हराया। सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में वर्ल्ड कप में अपना डेब्यू करने वाली जॉर्डन की टीम ने ऑस्ट्रिया को कड़ी टक्कर देने का पूरा प्रयास किया, लेकिन टीम को अपनी गलतियों के कारण खामियाजा भुगतना पड़ा। मैच की शुरुआत में ऑस्ट्रिया को जॉर्डन की तरफ से कड़ी चुनौती मिली। मैच के दूसरे मिनट में जॉर्डन के कप्तान एहसान हद्दाद ने पहला मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट साइड नेटिंग में चला गया। इसके बाद ओदेह फखौरी ने भी दूर से शानदार प्रयास किया, जिसे ऑस्ट्रिया के गोलकीपर अलेक्जेंडर श्लेगर ने बेहतरीन बचाव करते हुए गोल में जाने से रोक दिया। शुरुआती दबाव झेलने के बाद ऑस्ट्रिया ने 20वें मिनट में मैच का पहला गोल करते हुए बढ़त हासिल की।

रोमानो शिमड ने पेनल्टी बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया और टीम को 1–0 से आगे कर दिया। पहले हाफ में पिछड़ने के बावजूद जॉर्डन की टीम ने लगातार लड़ाई जारी रखी। दूसरे हाफ की शुरुआत के कुछ ही मिनट बाद अली ओलवान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। उन्होंने ऑस्ट्रियाई डिफेंडरों को छकाते हुए बेहतरीन गोल किया। ओलवान वर्ल्ड कप में गोल करने वाले जॉर्डन के पहले खिलाड़ी बने। इस गोल से स्कोर 1–1 हो गया। इसके बाद दोनों टीमों की तरफ से गोल करने के प्रयास जारी रहे।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हैरी केन का कमाल

अर्लिंग्टन। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हैरी केन ने इंग्लैंड की पहली जीत में अहम भूमिका निभाई। केन के दो दमदार गोल की बदौलत इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4–2 से हराया। केन ने इन दो गोल के साथ ही खास उपलब्धि को भी अपने नाम कर लिया है। हैरी केन इंग्लैंड की ओर से फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में संयुक्त रूप से पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस मामले में पूर्व कप्तान गैरी लिनेकर के रिकॉर्ड की बराबरी की। केन विश्व कप में अब लिनेकर के बराबर 10 गोल कर चुके हैं। इस मुकाबले से पहले लिनेकर की बराबरी करने के लिए केन को 2 गोल की दरकार थी।

वैभव सूर्यवंशी नहीं, सूर्यांश शेडगे है नंबर 1

● प्रियांश-ऋतुराज दूसरे पर; ट्राई सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट

नई दिल्ली। श्रीलंका में जारी वनडे ट्राई सीरीज के फाइनल में इंडिया ए ने जगह बना ली है। इस सीरीज में पहले चार मैचों के बाद अगर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज की बात करें तो वैभव सूर्यवंशी इस मामले में नंबर 1 पर नहीं हैं। आईपीएल 2026 में रिकॉर्ड 72 छक्के लगाने वाले वैभव मौजूदा ट्राई सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले संयुक्त रूप से दूसरे खिलाड़ी हैं। इस मामले में नंबर 1 खिलाड़ी की बात करें तो पंजाब किंग्स के युवा खिलाड़ी और इंडिया ए को पिछले मैच में मुसीबत में संभालने वाले सूर्यांश शेडगे नंबर 1 पर हैं। जी हां सूर्यांश ने अभी तक इस ट्राई सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाए हैं। जबकि वैभव सूर्यवंशी, प्रियांश आर्या और ऋतुराज गायकवाड़ संयुक्त रूप से नंबर 3 पर हैं। श्रीलंका ए के अविष्का फर्नान्डो ने भी इन तीनों भारतीय खिलाड़ियों के बराबर छक्के लगाए हैं।

भारत ने 2-0 की बढ़त बनाई

● अफगानिस्तान का विजय रथ रुका ● कप्तान गिल पहली बार वनडे सीरीज जीते

नई दिल्ली। लखनऊ में बुधवार (17 जून) को भारत ने अफगानिस्तान को 170 रनों से हराकर 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। इसके साथ ही अफगानिस्तान का 27 महीने से चला आ रहा विजय रथ रुक गया। इस दौरान अफगानिस्तान ने लगातार 5 द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीता था। भारत ने कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी में पहली बार वनडे सीरीज जीता। यह उनकी कप्तानी में तीसरी सीरीज है। अफगानिस्तान ने मार्च 2024 में आयरलैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज 2-0 से अपने नाम की थी। इसके बाद उसने 2024 में ही साउथ अफ्रीका के 2-1, बांग्लादेश को 2-1 से हराया। दिसंबर 2021 में जिम्बाब्वे को 2-0 और अक्टूबर 2025 में बांग्लादेश को 3-0 से हराया था।

शुभमन गिल का शानदार प्रदर्शन

शुभमन गिल ने कप्तान के तौर पर बल्ले से भी शानदार प्रदर्शन किया है। वह कप्तान के तौर पर 8 मैच में 3 अर्धशतक और एक शतक जड़ चुके हैं। गिल ने न्यूजीलैंड सीरीज में 2 अर्धशतक जड़े थे। उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में 110 गेंद पर 154 रन ठोके। उन्होंने 22 चौके और 2 छक्के लगाए।

शुभमन गिल ने वनडे में भारत के कप्तान के तौर पर पिछले साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अगुआई की थी। भारत यह सीरीज 2–1 से हारा। जनवरी 2026 में न्यूजीलैंड ने भारत को 2–1 से हराया। इन दोनों सीरीज के बीच साउथ अफ्रीका को भारत ने 2–1 से हराया, लेकिन गिल चोटिल होने के कारण सीरीज में नहीं खेले थे। केएल राहुल ने कमान संभाली थी। ऐसे में गिल की कप्तानी में अफगानिस्तान के खिलाफ 2–0 की बढ़त बनाकर पहली बार सीरीज अपने नाम की।

● शैफाली का ऑलराउंड प्रदर्शन, श्री चरणी ने झटके 4 विकेट

भारत ने नीदरलैंड्स को 95 रनों से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 10वें मैच में बुधवार (17 जून) को भारत ने नीदरलैंड्स को 95 रनों से हरा दिया। उसने पहली बार महिला टी20 विश्व कप में रन के हिसाब से सबसे बड़ी जीत दर्ज की। नीदरलैंड्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 209 रन बनाए। शैफाली वर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप में पहला अर्धशतक जड़ा। स्मृति मंधाना ने लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ा। दोनों ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की।

नीदरलैंड्स की टीम 210 रनों के लक्ष्य के जवाब में 114 रन पर आउट हो गई। श्री चरणी ने चार विकेट लिए। शैफाली वर्मा ने गेंद से भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट लिए। भारतीय टीम लगातार दूसरा मैच जीतकर अंक तालिका में ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंची। भारत के लिए चिंता का विषय श्रेयांका पाटिल का चोटिल होना है। वह सिर्फ 1 गेंद करने के बाद मैदान से बार गईं।

भारत के लिए स्मृति मंधाना ने 47 गेंद पर 74, शैफाली वर्मा ने 38 गेंद पर 55, जेमिमा रोड्रिग्स ने 19, हरमनप्रीत कौर ने 12 रन बनाए और यस्तिका भाटिया ने 3 रन बनाए। ऋचा घोष 8 गेंद पर 20 और दीप्ति शर्मा 2 गेंद पर 10 रन बनाकर नाबाद रहीं। नीदरलैंड्स के लिए कैरोलिन डी लैंग ने 2 विकेट लिए। आइरिस ज़्विलिंग, हीथर सीगर्स और मर्थे वैन डेन राड ने 1-1 विकेट लिए।

● महिला टी20 वर्ल्डकप में बना अनचाहा रिकॉर्ड

4 खिलाड़ी हुए रन आउट

भारत से आगे निकल गया पाकिस्तान

नई दिल्ली। इंग्लैंड में खेले जा रहे महिला टी20 विश्व कप 2026 का 11वां मैच पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम और साउथ अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के बीच खेला गया। इस मैच में साउथ अफ्रीका को 2 विकेट से जीत मिली, लेकिन पाकिस्तान की चार खिलाड़ी इस मैच में रन आउट हुई और भारत का एक बड़ा रिकॉर्ड इस टीम ने तोड़ डाला।

इस मैच में पाकिस्तान की टीम ने कप्तान सना मीर की नाबाद 55 रन की पारी के दम पर 20 ओवर में 9 विकेट पर 126 रन बनाए और इसके जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम ने 16.5 ओवर में 8 विकेट पर 127 रन बनाकर मैच को जीत लिया। इस वर्ल्ड कप में ये पाकिस्तान की लगातार दूसरी हार रही तो वहीं साउथ अफ्रीका की दूसरे मैच में पहली जीत भी रही। पाकिस्तान का अंकतालिका में अब तक खाता नहीं खुला है जबकि साउथ अफ्रीका के अब दो अंक हो गए।

पाकिस्तान ने तोड़ा भारत का रिकॉर्ड

इस मुकाबले में यानी साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में पाकिस्तान की 4 बल्लेबाज रन आउट हो गई। रमीन शमीम, इराम जावेद, नशरा सिंधू और तूबा हसन इस मैच में रन आउट हुए और इन 4 खिलाड़ियों के रन आउट होते ही पाकिस्तान ने भारत को पीछे छोड़ दिया।

● शैफाली वर्मा ने जड़ा अर्धशतक

6 साल का सूखा खत्म किया

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बुधवार (17 जून) को नीदरलैंड्स के खिलाफ भारतीय ओपनर शैफाली वर्मा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक जड़ा। शैफाली का यह टी20 वर्ल्ड कप में पहला अर्धशतक था। इसके साथ ही उन्होंने 6 साल और 15 पारियों का सूखा खत्म किया। शैफाली का यह चौथा टी20 विश्व कप है। उन्होंने पहला टी20 विश्व कप 2020 में खेला था। यह शैफाली का चौथा टी20 विश्व कप है।

नीदरलैंड्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। शैफाली वर्मा ने स्मृति मंधाना के साथ मिलकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 11.4 ओवर में 115 रन जोड़े। शैफाली ने अपनी पारी में 10 चौके लगाए और 144.74 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। पाकिस्ता के खिलाफ शैफाली अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाई थीं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेल: alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670